आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.taruncchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 26 सितंबर 2025 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-5 ■ वर्ष -41 ■ अंक-180 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 27 सितंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

अब विकासशील होगा छत्तीसगढ़

दृष्टिकोण

संजय दुबे

छत्तीसगढ़ में विकास का नया पन्ना खुलने जा रहा है। 1994 बैच के आईएएस अधिकारी विकासशील को राज्य का तेरहवां मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे अमिताभ जैन का स्थान लेंगे। यह बदलाव केवल पदस्थापन नहीं है, बल्कि एक सकारात्मक संदेश है कि सरकार प्रशासन को नई ऊर्जा और नई दिशा देना चाहती है। विकासशील का अनुभव और कार्यशैली यह भरोसा जगाते हैं कि राज्य आने वाले वर्षों में और तेजी से विकास की ओर बढ़ सकता है। रायपुर और बिलासपुर जैसे बड़े जिलों के कलेक्टर के रूप में कार्य करते हुए विकासशील ने प्रशासन की जमीनी चुनौतियों को नजदीक से समझा। बाद में वित्त, स्वास्थ्य, उद्योग और सामान्य प्रशासन जैसे विभागों की जिम्मेदारी उन्होंने मजबूती से निभाई। उनकी पहचान एक परिणामोन्मुख और संवेदनशील अफसर की रही है। यही कारण था कि केंद्र सरकार ने भी उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंपीं। स्वास्थ्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कामकाज को गति दी, तो जल शक्ति मंत्रालय में मिशन डायरेक्टर रहते हुए पेयजल योजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाया। हाल ही में वे एशियाई विकास बैंक, मनीला में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार पद पर रहे। यह अंतरराष्ट्रीय अनुभव अब छत्तीसगढ़ के लिए नई सोच और नई दृष्टि लेकर आ सकता है।

आज राज्य के सामने चुनौतियाँ जरूर हैं, लेकिन अवसर उससे कहीं बड़े हैं। आदिवासी अंचलों का विकास, नक्सल प्रभावित इलाकों में विश्वास कायम करना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना और शहरों में आधुनिक बुनियादी ढांचा खड़ा करना—ये सभी कार्य कठिन जरूर हैं, पर छत्तीसगढ़ की उर्वर भूमि और संसाधन इन्हें अवसर में बदलने की क्षमता रखते हैं। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया है। किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ, ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार, उद्योगों को प्रोत्साहन और युवाओं के लिए रोजगारपरक योजनाएँ—इन सबकी रफ्तार को बढ़ाना अब नए मुख्य सचिव की प्राथमिकता होगी। विकासशील का अनुभव इस दिशा में बड़ा सहायक हो सकता है। जनता की अपेक्षा है कि सरकारी योजनाएँ अब कागजों से निकलकर धरातल तक पहुँचे। गाँवों में बिजली, सड़क और पेयजल की सुविधाएँ समय पर उपलब्ध हों। युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर मिले। आदिवासी समाज को शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ अपनी संस्कृति के संरक्षण का भरोसा भी मिले। इन अपेक्षाओं को पूरा करना ही प्रशासन की असली कसौटी है। विकासशील को यह जिम्मेदारी निभानी है कि शासन जनता की नज़रों में भरोसे और विकास का प्रतीक बने। इस नियुक्ति से एक और सकारात्मक संदेश गया है—सरकार ने वरिष्ठता की होड़ से ऊपर उठकर उस अधिकारी को चुना, जिसने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अपनी क्षमता और कार्यकुशलता साबित की। इससे ब्यूरोक्रेसी में यह विश्वास भी मजबूत होगा कि मेहनत और ईमानदारी का हमेशा मूल्य होता है। अमिताभ जैन के कार्यकाल को स्थिरता देने वाला माना गया। अब राज्य यह उम्मीद कर रहा है कि विकासशील उस स्थिरता को गति और परिणाम में बदलेंगे। उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव और स्थानीय समझ मिलकर छत्तीसगढ़ प्रशासन को नई ऊँचाई दे सकती है। यदि वे तकनीक आधारित शासन, पारदर्शी प्रक्रियाएँ और जवाबदेही को मजबूत करते हैं, तो छत्तीसगढ़ सुशासन की मिसाल बन सकता है। राज्य संसाधनों और संभावनाओं से भरपूर है। यदि इनका सही उपयोग हो, तो कृषि, उद्योग और सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ नई ऊँचाइयाँ छू सकता है। विकासशील की नियुक्ति इस संभावना को वास्तविकता में बदलने का अवसर है। लोग इसे उम्मीद के नए सवेरे के रूप में देख रहे हैं। अगर वे अपने नाम के अनुरूप काम करें और प्रशासन को जनता की सेवा और विकास का पर्याय बना दें, तो निश्चय ही आने वाले समय में पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा जाएगा—अब विकासशील होगा छत्तीसगढ़।

लद्दाख पर अब एक्शन मोड में आई मोदी सरकार

नई दिल्ली,26 सितंबर। लद्दाख में भारी उपद्रव के बाद अब तनावपूर्ण शांति की स्थिति है। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्वायत्तता मांग को लेकर खूब बवाल मचा था। फिलहाल शांति है, लेकिन केंद्र सरकार अब कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इसी के तहत दिल्ली से मोदी सरकार ने एक दूत को भेजा है, जो संबंधित पक्षों से वार्ता करेगा और मामले का हल निकालने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता के नेतृत्व में एक समीक्षा बैठक भी हो रही है। इस मीटिंग में चर्चा की जाएगी कि आखिर सुरक्षा एजेंसियों के स्तर पर क्या कमी रह गई, जिससे इतनी हिंसा भड़की। इसके अलावा भविष्य में ऐसी कोई घटना ना हो, इसके लिए भी सुरक्षा एजेंसियों को मुस्तैद किया जाएगा। इस मीटिंग में चीफ सेक्रेचरी पवन कोतवाल, डीजीपी एसडी सिंह जम्वाल मौजूद रहेंगे। इसके अलावा सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के सीनियर अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। फिलहाल हालात संभालने के लिए पुलिस ने 50 लोगों को हिरासत में लिया है। लेह में सख्त कर्फ्यू लागू है। हालांकि जानकारी मिल रही है कि हालात सामान्य रहे तो आज शाम तक कर्फ्यू में कुछ ढील दी जा सकती है। इस हिंसा के बाद ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने अपनी 15 दिनों की भूख हड़ताल को समाप्त कर दिया था। उनका कहना था कि हिंसा के चलते उनके उद्देश्य पर विपरीत असर पड़ा है। अधिकारियों का कहना है

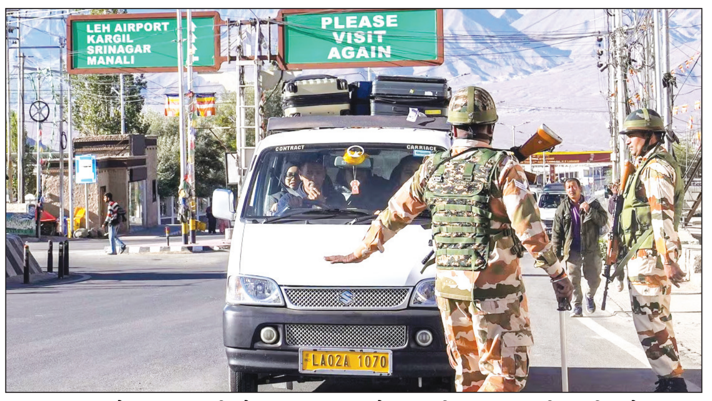

कि शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गृह मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान लेह समेत प्रमुख इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा हुई। फिलहाल लद्दाख में शांति है और लोगों को जरूरी सामान की खरीद के लिए छूट दी जा रही है। संवेदनशील इलाकों में अर्धसैनिक बलों और पुलिस की ओर से लगातार मार्च किया जा रहा है। कई इलाकों में लोगों ने शिकायत की है कि कर्फ्यू के चलते उनके पास राशन, दूध और सब्जी जैसी जरूरी चीजों तक की किल्लत हो गई है। बता दें कि शुक्रवार और शनिवार को लेह के सभी स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखे का आदेश दिया गया है।

इस बीच लद्दाख के निर्दलीय सांसद मोहम्मद हनीफा ने पुलिस फायरिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों पर फायरिंग से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ ऐक्शन होना चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मांग का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि लोग चाहते हैं कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले और स्वायत्तता प्रदान की जाए तो इसमें गलत क्या है।

रायपुर।माना कैम्प न्यू मार्केट में दुर्गोत्सव के लिए बनाया गया पंडाल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सिखों पर बयान मामले में राहुल गांधी को झटका

नई दिल्ली,26 सितंबर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सिखों पर दिए बयान के मामले में वाराणसी की विशेष अदालत एमपी/एमएलए के आदेश को चुनौती देने वाली आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज़ कर दी है। इसके बाद विशेष अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। इससे पहले कोर्ट ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। मामले के तथ्यों के अनुसार सितंबर 2024 में राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि भारत में सिखों के लिए माहौल अच्छा नहीं है, क्या सिख पगड़ी पहन सकते हैं, कड़ा रख सकते हैं और गुरुद्वारे जा सकते हैं? उनके इस बयान को भड़काऊ और समाज में विभाजनकारी बताते हुए नागेश्वर मिश्र ने सारनाथ थाने में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग में तहरीर दी थी।

एफआईआर दर्ज न होने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में अर्जी दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय वाराणसी ने यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दी कि केंद्र सरकार की अनुमति बगैर दाखिल अर्जी पोषणीय नहीं है। इसके विरुद्ध विशेष अदालत में पुनरीक्षण अर्जी दी गई। विशेष अदालत ने अर्जी को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट का आदेश रद्द कर नए सिरे से विचार कर आदेश करने के लिए प्रकरण वापस कर दिया।

पीएम मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ,26 सितंबर । देश के पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री, दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सराहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जन्म-जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। हम उनके लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान देश के लिए उनके योगदान को याद करते हैं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी डॉ. सिंह के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। एक्स पर अपने संदेश में उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। देश की सेवा में उनके वर्षों को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहने वाले देश के चुनिंदा नेताओं में शुमार थे। वह लगभग 33 साल तक राज्यसभा सांसद रहे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई वित्तीय और प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत की।

राजधानी में में नक्सली दंपत्ति गिरफ्तार

रायपुर ■ तरुण छत्तीसगढ़

राजधानी रायपुर से नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने डीडी नगर थाना क्षेत्र के चंगोराभाठा इलाके से नक्सली पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। दोनों लंबे समय से फर्जी नाम और आधार कार्ड के सहारे किराए के मकान में रह रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जग्गू उर्फ रमेश कुरसम (28) और उसकी पत्नी कमला कुरसम (27) के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। रायपुर में इन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग इलाकों में ठिकाना बनाया था। हाल ही में इलाज के बहाने चंगोराभाठा में किराए का मकान लिया था।

पुलिस का अनुमान

अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में नक्सलियों के शहरी नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग हाथ लग सकते हैं। इससे राजधानी और आसपास सक्रिय नक्सलियों के नेटवर्क को तोड़ने में मदद मिलेगी।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस और सहायक खुफिया ब्यूरो (AIB) को सूचना मिली थी कि नक्सलियों का शहरी नेटवर्क सक्रिय है और एक दंपती काफी समय से संगठन के लिए काम कर रहा है। जांच के बाद पुलिस ने दोनों का लोकेशन ट्रेस किया और मकान की घेराबंदी कर दबिश दी। मौके से दोनों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी नक्सली युवक ने रायपुर के कई बड़े अफसरों के घरों में ड्राइवर और गार्ड की नौकरी की थी। इससे वह शहर में अपनी पहचान छिपाने और जानकारी जुटाने में सफल रहा। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस को उनके पास से कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले हैं। फिलहाल पुलिस जग्गू कुरसम से गहन पूछताछ कर रही है, जबकि उसकी पत्नी कमला कुरसम को न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

शिव की नगरी काशी में नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता का विशेष पूजन

वाराणसी ,26 सितंबर । शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा का विधान है। शिव की नगरी वाराणसी में स्कंदमाता का मंदिर जैतपुरा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध मां बागेश्वरी देवी मंदिर परिसर में है। मान्यता है कि यहां स्कंदमाता और बागेश्वरी माता के दर्शन से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। स्कंदमाता, जो भगवान कार्तिकेय की माता के रूप में पूजी जाती हैं। यहां भक्त एक साथ मां के गौरी स्वरूप (बागेश्वरी) और दुर्गा स्वरूप (स्कंदमाता) के दर्शन करने आते हैं।

स्कंदमाता ज्ञान और विवेक की देवी हैं। उनके दर्शन से विशेषकर पढ़ाई में कमजोर बच्चों को बुद्धि, यश और सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही, संतान सुख से वंचित लोगों के लिए भी मां के दर्शन शुभ माने जाते हैं।

स्थानीय भक्त सुधा, जो 26 वर्षों से इस मंदिर में आ रही हैं, उन्होंने बताया, पंचमी के दिन स्कंदमाता की पूजा का विशेष महत्व है। मैंने देखा है कि कई महिलाएं अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पर आती हैं और उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं। नवरात्रि में यहां सुबह 11 बजे के बाद भक्तों की भीड़ बढ़ जाएगी।

'मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि चुनाव बाद ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला के गौरव को फिर से स्थापित करे : शाह

नई दिल्ली,26 सितंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के संतोष मित्रा स्क्वायर में दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा, 'मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ऐसी नई सरकार बने जो राज्य के खोए हुए सोनार बांग्ला के गौरव को फिर से स्थापित करे।' शाह ने कहा कि बंगाल को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनना चाहिए, जो नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के सपने को पूरा करे। पंडाल के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि मैं बंगाल और देश के लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं भी देता हूं। गृह मंत्री ने हाल ही में राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में हुई मौतों पर शोक जताया। अमित शाह ने कहा,

'मैं बंगाल में बारिश से संबंधित घटनाओं में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' 23 सितंबर को कोलकाता महानगर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण 11 लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि शाह गुरुवार रात को कोलकाता पहुंचे थे और हवाई अड्डे पर भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने उनका स्वागत किया। शाह अभी दक्षिण कोलकाता में कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाले हैं। इसके बाद वह साल्ट लेक में भाजपा समर्थित पश्चिम बंगाल संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करेंगे। इस बीच, कलकत्ता हाई कोर्ट को पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता नगर निगम और निजी बिजली कंपनी सीईएससी को शहर में मूसलाधार बारिश के कारण हुई 11 लोगों की मौत के मामले में अलग-अलग रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। इनमें से 9 मौत बिजली का करंट लगने से हुई। याकाकर्ता के वकील शमीम अहमद ने बताया कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष याचिका दायर की गई, जिसमें पीड़ितों के लिए मुआवजे, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सीईएससी की ओर सेए कदमों और कोलकाता में जल निकासी व्यवस्था में सुधार की मांग की गई।

Gen-Z का एक और देश में बवाल

नई दिल्ली,26 सितंबर। भारत के पड़ोसी देशों श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल से होता हुआ अब Gen-Z का विद्रोह दक्षिण-पूर्वी एशिया के छोटे से देश तक जा पहुंचा है। यह देश है पूर्वी तिमोर, जहां युवाओं के प्रदर्शन के आगे वहां की संसद और सांसद ने घुटने टेक दिए हैं। सांसदों ने युवाओं के गुस्से और युवाओं का तात्कालिक विरोध इस बात पर था कि मौजूदा सांसदों की गाड़ियों के लिए 42 लाख डॉलर की राशि खर्च की गई थी।

इसके बाद छात्रों के एक वर्ग ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे यह विरोध पूर्व राष्ट्रपतियों, पूर्व प्रधानमंत्रियों-मंत्रियों और पूर्व सांसदों को

प्रदर्शन को देखते हुए संसद में उस कानून के खिलाफ मतदान किया है, जो पूर्व राष्ट्रपतियों, पूर्व प्रधानमंत्रियों-मंत्रियों और सांसदों के आजीवन पेंशन का हकदार बनाता था। अब सांसदों ने Gen-Z के विरोध प्रदर्शन के सामने नतमस्तक हो उस कानून को संसद में प्रस्ताव पारित कर रद्द कर दिया है।

पूर्वी तिमोर एक गरीब देश है लेकिन पूर्व राष्ट्रपतियों, पूर्व प्रधानमंत्रियों-मंत्रियों और पूर्व सांसदों को भारी भरकम राशि आजीवन पेंशन और भत्ते के रूप में दी जा रही थी। युवाओं ने इसका विरोध किया था। इतना ही नहीं सरकारी अधिकारियों को मिलने वाले भारी भरकम भत्तों पर भी कैंची चलाई गई है। मिलने वाले आजीवन पेंशन तक जा पहुंचा, जिसके लिए हर साल लाखों डॉलर सरकार को खर्च करने पड़ रहे थे। पूर्व संसद सदस्यों और सरकारी अफसरों को आजीवन पेंशन देने का नियम 2006 में बनाया गया था। इस नियम के अनुसार उन्हें अंतिम वेतन के बराबर आजीवन पेंशन देने की व्यवस्था थी जो अब युवाओं के विरोध-प्रदर्शन के बाद रद्द कर दिया गया है। शुक्रवार को संसद के कुल 65 में से 62 सांसदों ने इस कानून के खिलाफ एकमत होकर वोट डाले। संसद में प्रस्ताव पारित होने के बाद खुंटो पार्टी के सांसद ओलिंडा गुटुरेस ने यूनिवर्सिटी छात्रों से अपील की कि आपकी मांगें पूरी कर दी गई हैं.

अपने लिए खुद लड़कियां चुनता था चैतन्यानंद

नई दिल्ली,26 सितंबर। श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट में डायरेक्टर पद पर काम करते हुए इंस्टीट्यूट की छात्राओं के साथ गंदी हरकतें करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती को लेकर कई हैरान करने वाली बातें सामने आ रही हैं। 17 छात्राओं की ओर से लगाए गए छेड़छाड़ के आरोप के बाद अब संस्थान के एक पूर्व छात्र ने चैतन्यानंद उर्फ पार्थ सारथी को लेकर कई नए दावे किए हैं। उसने बताया है कि कैसे चैतन्यानंद नए सत्र के शुरू होते ही अपने लिए लड़कियां चुनता था और फिर धमकी लालच के सहारे उन्हें शिकार बनाता था। एक पूर्व छात्र ने बताया कि आरोपी लड़कियों को मुफ्त में विदेश ले जाने के साथ कार, लैपटॉप और आईफोन आदि देने का लालच देता था। वसंत कुंज स्थित इस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के पूर्व छात्र के मुताबिक, एडमिशन के साथ ही चैतन्यानंद लड़कियों को चुनने और उन्हें अपने कमरे तक लाने की कोशिशों में जुट जाता था। गोपनीय पहचान के साथ छात्र ने कहा, 'जैसे ही नई छात्राओं का एडमिशन होता था, 'सलेक्शन' की प्रक्रिया शुरू हो जाती थी। पहले लड़कियों को चुना जाता था, फिर उनसे संपर्क किया जाता था और बेहतर सुविधाओं का लालच दिया जाता था। इसमें अच्छे अंक, विदेश में इंटर्नशिप और अच्छे प्लेसमेंट जैसी बातें होतीं। ऑफर स्वीकार करने वाली लड़कियों के लिए रास्ता आसान किया जाता था तो ठुकराने वाली लड़कियों की मुश्किलें बढ़ जाती थीं।'

जिन लड़कियों को ऑफर मंजूर नहीं होता था उन्हें खूब परेशान किया जाता था। किसी से बात करने की अनुमति नहीं होती थी। 24 घंटे उनकी निगरानी होती थी और दुखी करके कॉलेज से निकाल तक दिया जाता था। यहां तक कि उनके माता-पिता को भी परेशान किया जाता था। जब यह पूछा गया कि कैसे तय किया जाता था कि किन लड़कियों को टारगेट करना है तो पूर्व छात्र ने बताया कि खुद चैतन्यानंद सरस्वती इस काम को करता था। उसने कहा, 'स्वामी खुद स्टूडेंट्स से एक-एक करके बात करता था। इसके बाद उनकी पहचान की जाती थी। वह लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग क्लास भी लेता था। इस दौरान वह लड़कियों का चुनाव करता था। इसके बाद कुछ फीमेल स्टाफ को उन लड़कियों से संपर्क करने को कहा जाता था। कुछ महिला स्टाफ चिह्नित लड़कियों को चैतन्यानंद के कमरे तक पहुंचाने के लिए लालच और धमकियों का इस्तेमाल करती थीं।'पूर्व छात्र ने यह भी बताया कि कुछ महिला स्टाफ ऐसी हैं जो संस्थान की ही पूर्व स्टूडेंट्स हैं। चैतन्यानंद ने पहले उन्हें अपना शिकार बनाया था। इन महिलाओं ने उसके साथ समझौता कर लिया था। उसने कहा, 'मौजूदा महिला कर्मचारियों में से कुछ यहीं पढ़ी हैं। उन्हें भी स्वामी ने ऐसा ही ऑफर दिया था। उन्हें विदेशी दौरों पर ले जाया गया था। आज उन्हें वहीं नौकरी भी मिल चुकी है। यही महिलाएं अब दूसरी लड़कियों को चैतन्यानंद के कमरे में जाने के लिए सहमत करती हैं।'

एक नजर

लाभांश का झांसा देकर लाखों की ठगी

भिलाई, 26 सितंबर। प्रतिमाह 3 से 7 प्रतिशत लंभास व इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर कुल 49. 50 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को नेवई पुलिस ने ओडिशा से गिरफ्तार किया है प्रकरण का मुख्य आरोपी गिरफ्तार होकर सर्कल जेल सम्बलपुर ओडिशा में निरूद्ध है न्यायालय दुर्ग ने प्रोडेक्शन वारण्ट जारी किया है नेवई प्रभारी कमल सिंह सेंगर ने बताया कि 27 अप्रैल को प्रार्थी योगेश कुमार साहू निवासी आशीष नगर पूर्व रिसाली ने थाना नेवई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 14 दिसंबर 2022 से 30 दिसंबर 2024 के मध्य संतोष आचार्य एमसीएक्स कपनी का डायरेक्टर व प्रार्थी के दोस्त प्रकाश चंद पाढ़ी ने एमसीएक्स कंपनी में एक वर्ष तक इन्वेस्ट करने पर प्रतिमाह 3 से 7 प्रतिशत लाभांश व इन्वेस्ट राशि के एवज में बाण्ड पेपर दिया। यदि कंपनी 60 दिन तक लाभांश नहीं देती तो बाण्ड पेपर के माध्यम से इन्वेस्ट राशि वापस करने का झांसा देकर प्रार्थी और उसकी पत्नी तथा दोस्त सुखनदंन साहू व गिरिश चन्द्राकर के नाम से भिन्न भिन्न रकम कुल 49 लाख 50 हजार रुपए जमा कराकर धोखाधड़ी की है। विवेचना के दौरान आरोपी प्रकाश चंद पाढ़ी (38 साल) निवासी संबलपुर (ओडिशा) को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में मुख्य आरोपी संतोष कुमार आचार्य प्रकरण में गिरफ्तार होकर सर्कल जेल सम्बलपुर ओडिशा में निरूद्ध है। उसे न्यायालय दुर्ग में उपस्थिति के लिए जेएमएफसी न्यायालय दुर्ग द्वारा प्रोडेक्शन वारण्ट जारी किया गया है फर्जी एमसीएक्स कंपनी का प्रचार प्रसार नेवई प्रभारी ने बताया कि आरोपी प्रकाशचंद पाढ़ी ने आरोपी संतोष कुमार आचार्य के साथ उसकी फर्जी एमसीएक्स कंपनी का प्रचार प्रसार कर स्वयं के खाते में तथा उसके बाद उसके खाते में ज्यादा लेनदेन हो रहा है।

शिक्षा मंत्री ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग, 26 सितंबर । प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी स्थित पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल, नगपुरा के स्वामी आत्मानंद स्कूल (हिंदी/इंग्लिश) और ग्राम हिर्री के आत्मानंद/पूर्व माध्यमिक स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने क्लास रूम में विद्यार्थियों से संवाद कर कोर्स की स्थिति, शिक्षण व्यवस्था, प्रैक्टिकल और त्रैमासिक परीक्षा की तैयारी पर

गैंग रेप के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने डिप्टी सीएम शर्मा का पुतला दहन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,26 सितंबर। नवरात्रि पर्व के दौरान एक किशोरी से कार में गैंग रेप का मामला सामने आया है। उक्त घटने से जिले में सनसनी फैल गई है.और यह घटना गृह मंत्री के गृह क्षेत्र कवर्धा में हुआ है जो कि बहुत ही शर्मसार है। उक्त घटना के विरोध में घटना को अंजाम देने वालो आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के लिए गृह मंत्री विजय शर्मा का गुरुवार शाम 4ः30 बजे कांग्रेस भवन सिग्नल चौक में पुतला दहन किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष होरीराम साहू शहर अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सीमा अनंत,शहर महामंत्री श्रीमती पुष्पलता जोशी,लोहारा ब्लाक अध्यक्ष सौखीराम साहू, रामपुर ठाठापुर ब्लाक अध्यक्ष सतीश गहरवार, शहर

महामंत्री श्रीमती पुष्पलता जोशी, लोहारा ब्लाक महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती स्वाति नूरुटी, संगठन महामंत्री गोपाल चंद्रवंशी, महेन्द्र कुंभकार, शरद बांगली, वेदप्रकाश चंद्राकर छबिलाल वर्मा, संजय चंद्रवंशी, प्रदीप चंद्राकर, नेतराम जघेंल, इंजीनियर योगेश्वर चंद्राकर, विकास केशरी, विरेन्द्र जांगड़े, अंजोर दास डहरिया धीरज सिंह लीला देवी पोते, सीता धुर्वे, रानी चंद्रवंशी, वर्षा राजपूत, सुशीला मानिकपुरी, रामकुवर राजपुत, आकाश केशरवानी, भुनेश्वर पटेल, आशीष चंद्रवंशी, गुड्डू सिंह ठाकुर, अंजोर दास डहरिया, अरुण जोशी राजू मिरज,नारद चंद्रवंशी, मेहुल सत्यवंशी, इंद्रा दास बंजारे,मनोज चंद्रवंशी, प्रशांत परिहार, अगम दास अनंत,जितेन्द्र मानिकपुरी, गिरधर लहरें,हीरा राय,योगदत्त राय सत्येन्द्र वर्मा,गिरधर लहरें, चंद्रहास बंजारे,अमन वर्मा, रामायण सिन्हा, कृष्ण साहू, नीलकंठ साहू, अजय वर्मा, गोपी पटेल, किरोत साहू, रामफल कौशिक, लेखा राजपूत, राहुल सिन्हा, वाल्मीकि वर्मा, जाहिद कुरैशी, गोकुल साहू, सोमिल चंद्राकर, टेकराम चंद्राकर,पवन चंद्रवंशी, गोरेलाल चंद्रवंशी, रोहित चंद्रवंशी, मुन्नाराम चंद्रवंशीरमेश साहू, संजय चंद्रवंशी, आनंद चंद्रवंशी,मनहरण लांझी, अभय बनर्जी, अनिकेत वैष्णव, अमित वर्मा गंगाधर धुर्वे, संजय धुर्वे, परमेश्वर नाथ योगी,सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कवर्धा। सिद्धपीठ शीतला मंदिर पौड़ी में पंचमी में श्रद्धालुओं ने की पूजा

जामुल भाजपा अध्यक्ष का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने उत्साह से मनाया

जामुल। भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल के अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला भिलाई के उपाध्यक्ष रेखराम बंछोर, जिला भिलाई के पूर्व महामंत्री खिलावन साहू, सांसद प्रतिनिधि हलधर साहू, महामंत्री ओम प्रकाश साहू, महामंत्री ध्रुव देवांगन, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष दीपक सिंह, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू, सह मीडिया प्रभारी किशन गर्ग, पार्षद दीपक गुप्ता, आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल के अध्यक्ष लक्ष्मी छतरी, एस.सी. मोर्चा जिला के बी.आर. रामटेक, लेखराम पाल, रश्मि वर्मा, शिव मंदिर के पुजारी कमोद पांडे, जगदीश देवांगन, मायरा बंछोर, गप्पू जांघेल, तीरथ यादव, दयालु राम जांघेल, गोवर्धन साहू, ललित वर्मा, नारायण गौतम, कुलेश्वर प्रसाद बंछोर, धनेश्वर गौतम, रामस्वरूप सेन एवं नंदलाल कामेश्वर चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रशांत गुप्ता के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके दीर्घ, सफल एवं सक्रिय राजनीतिक जीवन की मंगल कामना व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री ने एनएसएस स्वयंसेविका को प्रदान किया राज्य स्तरीय पुरस्कार

भिलाई, 26 सितम्बर। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 की सक्रिय स्वयंसेविका कुमारी काजल निषाद को सत्र 2024 की सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका के रूप में राज्य स्तरीय पुरस्कार तथा नगद राशि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री टंकराम वर्मा, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन, आयुक्त उच्च शिक्षा डॉ. संतोष कुमार देवांगन, राष्ट्रीय सेवा योजना मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के उप कार्यक्रम सलाहकार डॉ. अशोक कुमार श्रोती एवं राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेई सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए एनएसएस स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों, जिला संगठनों एवं कार्यक्रम समन्वयकों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वैशाली नगर महाविद्यालय की टीम ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई। कुमारी काजल निषाद की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अलका मेश्राम ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चांदनी मरकाम सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने भी गर्व एवं प्रसन्नता व्यक्त की।

आयुक्त संग नागरिकों ने ब्लाक क्लब हाउस,उद्यान की सफाई की

रिसाली। रजत जयंती व स्वच्छता ही सेवा अभियान के नवें दिन नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के तालपुरी ए ब्लॉक स्थित क्लब हाऊस उद्यान की सफाई की गई। क्षेत्रीय नागरिकों ने उद्यान में श्रमदान किया। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे स्वच्छता अभियान में नागरिक उद्यान में गंदगी नहीं फैलाने का संकल्प भी लिया।

इसी पखवाड़े में नगर पालिक निगम रिसाली ने क्षेत्र के सभी उद्यानों की सफाई करने की कार्य योजना तैयारी की है। इसी के तहत बृहस्पतिवार को जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और नागरिकों ने एक साथ तालपुरी ए ब्लाक क्लब हाऊस और निकट के उद्यान की सफाई करने हाथ बढ़ाया। इस उद्यान में जंगली घास और झाड़िया उग आई थी। निगम कर्मचारियों ने घास कटर से जंगली घास की सफाई की। वहीं नागरिकों ने खरपतवार को उखाड़कर बाहर किया। इस अवसर पर पार्षद सविता ढवस, नेताप्रतिपक्ष, शैलेन्द्र साहू, पार्षद माया यादव, शीला नारखेड़े, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, अजीत चैधरी, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, उप अभियंता जयंत शर्मा, रेवती रमन, गोपाल सिन्हा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी अमित चंद्राकर समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

भाजपा मंडल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई

जामुल,26 सितंबर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं एकात्म मानववाद विचारधारा के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बूथ क्रमांक 151, 152 एवं 153 पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने पंडित उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष किशन गर्ग, ओमप्रकाश साहू, ऋषभ बंछोर, जिला उपाध्यक्ष रेखराम बंछोर, जामुल मंडल अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता, एससी मोर्चा के बी.आर. रामटेके, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, कमोद पांडे, प्रहलाद जंघेल, प्रदीप सिंह एवं धनेश्वर गौतम सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और उनके विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका एकात्म मानववाद का सिद्धांत आज भी भारतीय राजनीति और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

शिवनाथ में बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

दुर्ग, 26 सितंबर । भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण नई दिल्ली के दिशा-निर्देश और कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में बाढ़ आपदा से बचाव की आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिए शिवनाथ नदी में आज मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। नगर सेना विभाग द्वारा जिला स्तर पर उपलब्ध समस्त बाढ़ बचाव सामग्रियों का मॉकड्रिल किया गया। कलेक्टर ने राज्य आपदा मोचन दल की तैयारियों की सराहना की। जिले के लिए नियुक्त इंसिडेंट कमाण्डर एडीएम श्री अभिषेक अग्रवाल के कमांड मिलते ही एसडीआरएफ/एनडीआरएफ की टीम बाढ़ प्रभावितों को बचाने उफनती नदी में उतरे ।

कुर्की की चेतावनी के बाद लोगों ने निगम में की बकाया राशि जमा

भिलाई, 26 सितम्बर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-02 वैशाली नगर अंतर्गत भवन/भूमि धारकों से बकाया संपत्ति कर की वसूली की कार्यवाही लगातार जारी है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर नगर पालिक निगम अधिनियम के तहत सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे एवं उनकी राजस्व टीम द्वारा बकायादारों के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही हेतु अभियान चलाया गया। राजस्व टीम ने बकायेदारों से संपर्क कर उन्हें बकाया राशि तत्काल जमा करने की समझाइश दी। पूर्व में इन बकायेदारों को नोटिस भी जारी किया गया था। कुर्की की कार्यवाही से बचने के लिए कई बकायेदारों ने अपनी बकाया राशि निगम कोष में जमा कर दी।

नागरिकों को स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति किया गया जागरूक

भिलाई, 26 सितम्बर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब परिसर में अंगीकार 2025 अभियान, स्वच्छता ही सेवा, रजत जयंती वर्ष एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता शपथ, सामूहिक श्रमदान, वृक्षारोपण तथा रैली का आयोजन किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित किए गए और नागरिकों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने आम नागरिकों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू एवं संदीप निरंकारी, वार्ड पार्षद चंदेश्वरी बांधे, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, जोन आयुक्त अजय राजपूत, कार्यपालन अभियंता अखिलेश चंद्राकर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला एवं शरद दुबे, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, पीएम आवास योजना सोशल एक्सपर्ट किरण चतुर्वेदी, सिविल एक्सपर्ट आदित्य ठाकुर, संभागीय सोशल एक्सपर्ट जीवन ताम्रकार, पीआईयू अभिनव ठोकने, सुभम पाटनी, युक्ति देवांगन सहित बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदियों एवं आम नागरिकों ने भाग लिया।

सभी लोगों ने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की शपथ ली

भिलाई, 26 सितम्बर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक दिन, एक घंटा, एक साथ थीम पर सामूहिक श्रमदान, स्वच्छता शपथ, सफाई मित्र सम्मान, वृक्षारोपण और स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। निगम के जोन-4 शिवाजी नगर के वार्ड क्रमांक 43 स्थित बापू नगर उद्यान में भी रजत जयंती एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया गया। यहाँ आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, पार्षद सरिता देवी, गिरजा बंछोर तथा स्थानीय नागरिकों ने तालाब एवं उद्यान परिसर की सफाई की और पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त, जोन-4 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू स्कूल (न्यू खुर्सीपार) में स्कूली बच्चों के बीच स्वच्छता पाठशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने की शपथ ली।

पैसे मांगने पर की गई थी गंगोत्री की हत्या,पुलिस का खुलासा

भिलाई, 26 सितम्बर। भिलाई गंगोत्री जांगड़े की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है हत्या की मुख्य वजह नौकरी लगाने के लिए दिए गए पैसे वापस मांगना था नौकरी लगाने कई लोगों से मृतका के मृतका-गंगोत्री सहारे फरार मास्टर माइंड आरोपी ने पैसे ले लिए उसके बाद नौकरी नहीं लगी तो मृतका दबाव बना रही थी पुलिस से शिकायत करने पर आरोपी डर गया उसे रास्ते से हटाने साजिश रचकर दोस्त को 1 लाख रुपए देकर हत्या करा दी पुलिस ने मास्टर माइंड के साथी सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि 20 सितंबर को ग्राम टेमरी में अज्ञात महिला का पत्थर से कुचला शव मिला उसकी पहचान गंगोत्री उर्फ गंगा जांगडे पिता हरीशचंद ग्राम दादर हाल पोटिया चौक दुर्ग के रूप में हुई। विवेचना के दौरान पता चला कि मृतका गंगोत्री दो व्यक्तियों के संपर्क में थी। उन दोनों व्यक्तियों को नौकरी लगाने के नाम पर विगत 7-8 माह से गंगोत्री रकम देती थी। जब काफी दिनों तक लोगों की नौकरी नहीं लगी तो उन्होंने गंगोत्री पर दबाव बनाना शुरू किया तब आरोपी ने कहा कि बता दो 20 सितंबर को सभी का साक्षात्कार

हो जायेगा गंगोत्री ने कहा कि अगर 20 सितंबर को साक्षात्कार नहीं हुआ तो आरोपी की शिकायत करेगी इसके बाद आरोपी डर गया और अपने साथी निर्भय जांगड़े निवासी जालबांधा को गंगोत्री की हत्या के लिये एक लाख की बेल्ट और चुनरी से गंगोत्री का गला घोंटकर हत्या एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि गंगोत्री की हत्या की योजना में हेमलता बंजारे भी शामिल हुई। तीनों ने वीडियो काल कान्फ्रेंस में बातकर हत्या की योजना बनाई आरोपी ने कई बार हेमलता के खाते में बड़ी रकम ट्रासंफर किया था। योजना के अनुसार 19 सितंबर को आरोपी ने गंगोत्री जांगड़े को रात 9 बजे खाना खाने ढाबा चलने के लिये राजी किया। निर्भय और एक अन्य आरोपी बाइक में ले गये। टेमरी ले जाकर निर्भय ने अपना बेल्ट निकाला और एक आरोपी ने गंगोत्री को पटक दिया और बेल्ट तथा चुनरी से गंगोत्री का गला घोंटकर हत्या की। इसके बाद मृतका की पहचान छुपाने उसके चेहरे को पत्थर से पटक कर विकृत कर दिया इन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार निर्भय जांगडे (19 साल) निवासी जालबांधा खैरागढ़, जयदीप साहू (19 साल) निवासी कातुल बोर्ड दुर्ग, मनीष बंजारे (19 साल) निवासी आशा नगर दुर्ग, पवन कुमार सिंह निवासी कातुल बोर्ड भिलाई, हेमलता बंजारे निवासी कातुल बोर्ड भिलाई व एक नाबालिग मास्टर माइंड की गिरफ्तारी में होगा बड़ा खुलासा इस मामले में अन्य आरोपी प्रकरण में आपराधिक षडयंत्र, साक्ष्य छिपाना जेवर लूटना व अपराधी को सरक्षण देना पाया गया फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पार्टी संभावित स्थल पर रवाना हुई है। उसकी भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है मास्टर माइंड आरोपी की गिरफ्तारी के बाद कितने लोगों से नौकरी के नाम पर पैसा लिया और खुलासा होगा कि कुल रकम कितनी थी। इसके पीछे और कौन था मृतका के जेवर निकाले बाद में आर्टिफिशियल होने पर पर्स सहित फेंक दिया ।

जीएसटी रिफार्म से आम जनता और व्यापार जगत में हर्ष व्याप्त,डिप्टी सीएम ने की व्यापारियों से मुलाकात

कवर्धा,26 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू किए गए जीएसटी रिफॉर्म 2.0 का असर अब सीधे आम जनता और व्यापार जगत पर दिखाई देने लगा है। वस्तुओं की कीमतों में कमी, कारोबार में सहजता और पारदर्शिता ने हर वर्ग को लाभान्वित किया है। इसी क्रम में जिला भाजपा द्वारा आज कवर्धा में जीएसटी बचत उत्सव का आयोजन किया गया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्थानीय बाजार में पहुँचे और प्रतिष्ठित व्यापारिक प्रतिष्ठानों में जाकर ग्राहकों व व्यापारियों से संवाद किया।

कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, भाजपा जिला महामंत्री संतोष पटेल, जिला भाजपा उपाध्यक्ष जसविंदर बग्गा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती सतविंदर पाहुजा, राजेंद्र सलूजा और सुनील दोषी श्रीकांत उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर व्यापारी बंधुओं का गुलाब फूल देकर स्वागत और सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना केवल कर सुधार करना नहीं है, बल्कि जनजीवन में सीधा बदलाव लाना है। जीएसटी रिफॉर्म्स ने आज हर घर को राहत दी है। यह बदलाव सिर्फ कागज़ पर नहीं, बल्कि लोगों की थाली में और दुकानों की रैक पर दिख रहा है।

जिला अध्यक्ष ने बताई उपलब्धियाँ

जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने कहा -÷मोदी जी के नेतृत्व में लागू किए गए जीएसटी सुधारों से कर

प्रणाली सरल और पारदर्शी हुई है। व्यापारियों के लिए प्रक्रियाएँ आसान हुई हैं और जनता को अब सस्ते दामों पर आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध हो रही हैं। यह सुधार देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे रहे हैं।÷

व्यापारियों और ग्राहकों की राय

कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने खुलकर अपनी राय रखी। उनका कहना था कि जीएसटी दरों में कटौती से वस्तुओं की कीमतों में स्पष्ट कमी आई है। अब ग्राहकों को दवाइयाँ, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कपड़े और स्टेशनरी जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुएँ पहले की तुलना में सस्ते दामों पर मिल रही हैं।ग्राहकों ने बताया कि जीएसटी बचत उत्सव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सुधार सीधे उनकी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं। लोगों ने इस पहल को आमजन और व्यापारी-हितैषी कदम बताया।

प्रमुख प्रतिष्ठानों से किया गया संवाद

मेडिकल, जनपद कॉम्पलेक्स के पास कवर्धा,मां दंतेश्वरी फोटोकपियर्स एंड स्टेशनरी मार्ट, बस स्टैंड कवर्धा,बग्गा जनरल स्टोर्स, कवर्धा,मुटरेजा रेडियो टाइम, कवर्धा (इलेक्ट्रॉनिक दुकान),इंडियन रेडीमेड कपड़ा दुकान, मेन मार्केट कवर्धाइन सभी प्रतिष्ठानों में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जाकर ग्राहकों व व्यापारियों से संवाद किया और मोदी सरकार के जीएसटी रिफॉर्म 2.0 से हुए बदलाव की जानकारी साझा की।

व्यापार और अर्थव्यवस्था की मजबूती

भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापार देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और मोदी सरकार द्वारा किए गए सुधारों ने इस रीढ़ को और मजबूत किया है। जीएसटी बचत उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता को जागरूक करने का अभियान है, जिससे उन्हें अपने अधिकारों और राहत की जानकारी मिल सके।

एक नजर

फार्मासिस्ट-डे पर सम्मानित किए गए फार्मासिस्ट

तिल्दा नेवरा, 26 सितंबर। एक अच्छे फार्मासिस्ट के बिना, आप दवाओं और चिकित्सा की इस दुनिया में खोये रह जाते। फार्मासिस्ट दिवस पर फार्मासिस्टों को उनकी अहम भूमिका के लिए धन्यवाद सामुदायिक विभाग तिल्दा में आयोजन कर हैप्पी फार्मासिस्ट डे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारी सभी दवाएं हर समय उपलब्ध हैं।

चाकू लहरा कर धमका रहा बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव, 26 सितंबर। गठुला नाला हनुमान मंदिर के पास मे एक व्यक्ति के द्वारा चाकू लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहे की सूचना पर आरोपी राकेश मंडावी पिता लखन मंडवी उम्र 27 साल साकिन स्टेशनपारा वार्ड नं. 13 चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ0ग0 को तत्काल पकड़कर आरोपी के कब्जे से एक नग कटदार चाकू जप्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश कर आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया। इसी प्रकार क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे चौकी चिखली मे प्राप्त शिकायत आवेदन पत्रों एवं वाद विवाद की सूचना के आधार पर आज दिनांक 25 सितम्बर 2025 को आवेदक व गवाहो के साथ लड़ाई-झगड़ा कर शांति भंग करने एवं संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना पर बदमाश 01. गणेश राम साहू पिता स्व. हीरूराम साहू उम्र 32 साल साकिन रामनगर गौतम चौक ओपी चिखली जिला राजनांदगांव, 02. संतु सिन्हा पिता रामाधार उम्र 40 साल साकिन विवेकानंद चौक वार्ड नं. 03 मोतीपुर ओपी चिखली जिला राजनांदगांव को गिरफ्तार कर पृथक-पृथक से धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया गया। क्षेत्र मे शांति कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु गुण्डा, बदमाष, असमाजिक तत्वो पर विरूद्ध अभियान कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

दावा-आपत्ति 6 तक

बलौदाबाजार, 25 सितंबर 2015/ जिले में संचालित 16 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में रिक्त 88 पदों पर संविदा भर्ती का दस्तावेज सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों का अनन्तिम मेरिट सूची में दावा-आपत्ति आवश्यक दस्तावेजों के साथ 6 अक्टूबर 2025 तक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बलौदाबाजार-भाटापारा में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। दस्तावेजो का भौतिक सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों का अनन्तिम मेरिट सूची एवं अपात्र सूची स्कूलवार जिले की वेबसाईट अपलोड किया गया है।

मीनाबाजार संचालक ने कैंपस में ही लगा दी विभिन्न प्रकार की दुकानें : व्यापारी संघ अध्यक्ष

अंबागढ़ चौकी, 26 सितंबर। सूत्रों से प्राप्त जानकारी हैं कि नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी में इस वर्ष भी नगर में मीनाबाजार में मीनाबाजार के संचालक के द्वारा मीनाबाजार के अंदर कैंपस में ही विभिन्न प्रकार की तरह तरह की दुकानें सज कर तैयार हो गई है।। नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के स्थानीय बेरोजगार युवाओं की अनदेखी करते हुए मीनाबाजार के संचालक के द्वारा मीनाबाजार के ही कैंपस में विभिन्न प्रकार के दुकानें लगलिए है खोल लिए है और नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के युवा बेरोजगारों की अनदेखी किया गया है। संजय लाटा जी अध्यक्ष व्यापारी संघ अंबागढ़ चौकी अपने संज्ञान में लेते हुए नगर के व्यापार हित में और गरीब बेरोजगार युवाओं के हित को देखते हुए अध्यक्ष श्री संजय लाटा जी नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी व्यापारी संघ अध्यक्ष, स्थानीय बेरोजगार युवाओं और स्थानीय व्यापारियों के हित को ध्यान में रखते हुए संज्ञान में ले और हमारे नगर, शहर के साथ न्याय करे।

बाढ़ में बचाव का अभ्यास किया

बलौदाबाजार, 26 सितम्बर। भारत सरकार राष्ट्रीय अपादा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार बाढ़ आपदा से बचाव प्रशिक्षण हेतु गुरुवार को बालसमुंद जलाशय पलारी में जिला स्तर पर काल्पनिक अभ्यास किया गया। इस काल्पनिक अभ्यास में एसडीआरएफ टीम, मेडिकल टीम सहित विभिन्न विभागों द्वारा भाग लिया गया। पहला अभ्यास भारी बारिश के कारण जलमग्न होने से एक टापू पर फंसे 5 ग्रामीणों की रेस्क्यू एवं दूसरा नदी में डूबते हुए ग्रामीण की रेस्क्यू का किया गया।

कौरिनभाठा में चला एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता श्रमदान

पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के आसपास एवं परिसर के पास की गई साफ-सफाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 26 सितम्बर। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा एवं रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता से जुडने अपील की जा रही है। स्वच्छता अभियान में शहर में सफाई अभियान के अलावा विभिन्न गतिविधिया संचालित की जा रही है। जिसमें सामाजिक संस्था, महिला समूह के अलावा स्कूल के विद्यार्थी बढ़ चढ कर हिस्सा लेक रहे है और लोगो को स्वच्छता से जुडने समझाईस दे रहे है। इसी कडी में आज कौरिनभाठा में एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता अभियान चलाकर श्रम दान किया गया। अभियान में महापौर श्री यादव सहित जिला सहकारी केन्द्रीय बैक के अध्यक्ष श्री संचिन बघेल, पूर्व कृषि मण्डी उपाध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत,निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा,शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री आलोक श्रोती, पार्षद श्री शिव वर्मा, श्री डुरेन्द्र साहू,श्री हेमंत शेखर यादव,पूर्व पार्षद श्री विजय राय,पूर्व नामांकित पार्षद श्री हकीम खान,पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव, समाज सेवी श्री सुमित भाटिया व श्री रघुवीर सिंह वाधवा एवं जनप्रतिनिधियों ने पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर प्रतिमा के आस पास एवं सडक में साफ सफाई कर झाडू लगाकर झिल्ली पन्नी उठाऐ। महापौर श्री यादव ने अपने संबोधन में पं. दीनदयाल जी जीवनी पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्य जी भारत को एक विशिष्ट समजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण प्रदान किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रयता और आत्मनिभारता को क्रेन्द्रित रखते हुए एकात्म मानवाद की विचारधारा को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाडा मनाया जाता है, इसका प्रमुख उद्देश्य जन जन को स्वच्छता से जोडना है। अभियान की सार्थकता तभी सफ्ल होगी जब लोग स्वच्छता से जुडेगे। उन्होंने नागरिको से अपील कि है कि हर दिन स्वच्छता के लिए कुछ समय निकाले और अपने घरो के आस पास, मोहल्ले में साफ सफाई करे तथा लोगो को भी इससे जोडे, तभी हमारा शहर स्वच्छ व साफ होगा। अभियान में जनप्रतिनिधि, निगम पदाधिकारी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी का आरोप

दिव्यांग संघ की चेतावनी-कार्रवाई नहीं की गई तो करेंगे आंदोलन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

अंबागढ़ चौकी, 26 सितंबर। नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी निवासी विकास लाटा पिता स्वर्गीय श्री जुगल किशोर लाटा ने विगत कई बरसों से शासन को ठेंगा दिखाकर शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। विकास लाटा शिक्षक के पद पर रहते हुए शासन को लाखों का चुना लगाया है। दिव्यांग बंधुओं के लिए आरक्षित शासकीय नौकरी। को खुद फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर मज़े से जिला मुख्यालय राजनांदगांव में ही शिक्षा विभाग की मेहरबानी से विगत कई वर्षों से शिक्षा विभाग में बड़े मजे से नौकरी करते हुए शिक्षा विभाग को लाखों रूपए का नुक़सान कर दिया है। शिक्षा विभाग शासन का लाखों रूपए फर्जी सर्टिफिक्रेट बनवाकर मज़े से शिक्षा विभाग में नौकरी करता है। और शिक्षा विभाग खामोश बनकर तमाशा देख रहा है। दिव्यांग बंधुओं द्वारा विकास लाटा फर्जी शिक्षक की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजनांदगांव में की गई है। लेकिन विकास लाटा शिक्षक आज भी शिक्षा विभाग की मेहरबानी से मज़े से नौकरी कर रहा है। और विकास लाटा के उपर शिक्षा विभाग इतना मेहरबान है कि विकास लाटा को उसके मनपसंद जगह पर ट्रान्सफर पदस्थ किया गया है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ के प्रदेश प्रमुख ने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ को शिकायत किया गया है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ ने बताया है कि अगर विकास लाटा शिक्षक की फर्जी सर्टिफ्क्रेट बनवाकर नौकरी करने की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होगी तो उग्र प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा।

सेवा पखवाड़े में कृषि उपज मंडी के आसपास की गई साफ-सफाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 26 सितंबर। आज 26 सितंबर प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर हम सभी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस को सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रहे हैं। इसी कड़ी में आज वार्ड क्रमांक 6 कृषि उपज मंडी के आसपास को साफ-सफाई किया गया। स्वच्छता अभियान चलाया गया।

उक्त कार्यक्रम में मनोज निषाद मंडल अध्यक्ष, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि लख्मीचंद नागवानी, विनोद नेताम पार्षद ,राजकुमार पार्षद, पूर्व पार्षद दीपक राठी, अमरजीत पासवान बूथ अध्यक्ष, अनिल नायक, सुनील नायक, संतोष साहू बूथ अध्यक्ष, आदर्श वर्मा बूथ अध्यक्ष,मनोज साहू बूथ अध्यक्ष ,ताराचंद साहू, एवं वार्ड के प्रतिष्ठित नागरिक पालिका के स्वच्छता दीदी मुख्य रूप से उपस्थित है प्रदेश नेतृत्व संगठन के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम संचालित हो रहा है भाजपा तिल्दा शहर मंडल के उपस्थित सक्रिय और सम्मानित कार्यकर्ताओं को हृदय से आभार मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद ने व्यक्त किया है।

पैदल यात्री को टक्कर मारने वाले थार चालक सहित 4 लोग गिरफ्तार

महिमा दोस्तों के साथ पैदल डोंगरगढ़ बम्लेश्वरी दर्शन के लिए जा रही थी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव। 12 टॉपर रही हाऊसिंग बोर्ड भिलाई निवासी मृतिका कुमारी महिमा साहू को ठोकर मारने वाले थार चालक सहित पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें से एक आरोपी नाबालिग है। सोमनी पुलिस ने बताया कि महिमा अपने दोस्तो के साथ पैदल डोंगरगढ़ बम्लेश्वरी दर्शन के लिए जा रही थी। ग्राम मनकी खंडेलवाल बांस डिपो के सामने राजनांदगांव दुर्ग जीई रोड के पास कार महिंद्रा थार (सीजी 04 क्यूसी 8007) के चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने से मृतिका को गंभीर चोट आई थी। जिसे इलाज के लिए सेक्टर 9 हॉस्पिटल भिलाई लेकर गए थे जिसकी मृत्यु हो जाने पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 106 बीएनएस दर्ज कर विवेचना में लिया गया । थाना प्रभारी सोमनी उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा थाना सोमनी पुलिस का टीम गठित कर विवेचना कार्रवाई किया गया।

विवेचना में वाहन महिंद्रा थार क्रमांक सीजी 04 क्यूसी 8007 के वाहन स्वामी रजत सिंग द्वारा अपने स्वामित्व के वाहन को किराये पर नयन सिंह को देना तथा नयन सिंह द्वारा वाहन को किराये पर लेकर नाबालिक को चलाने के लिए देना तथा नाबालिक वाहन चालक वाहन को तेजगति लापरवाही से चालते हुए महिमा साहू को एक्सीडेंट करने से महिमा साहू का मृत्यु होना पाया गया।

मूल वाहन स्वामी द्वारा मूल वाहन चालक के बदले किसी अन्य व्यक्ति राजू कुमार धुर्वे को चालक के रूप मे पेश कर साक्ष्य को छिपाना पाया जाने से आरोपी रजत सिंह पिता जी.डी. सिंह उम्र 31 वर्ष निवासी सेक्टर-2 क्वाटर नं.-17/एफ सड़क नं.-10 भिलाई थाना भिलाई नगर जिला दुर्ग, नयन सिंह उर्फछोटू पिता कोमल सिंह उम्र 31 वर्ष निवासी जयंती नगर सड़क नं.-05 दुर्ग थाना मोहन नगर जिला राजनांदगांव, राजू कुमार धुर्वे पिता वेदराम धुर्वे उम्र 26 वर्ष निवासी सोमनापुर थाना कुण्डा जिला कबीरधाम, हाल-ग्राम फुण्डा संजय गोस्वामी का मकान थाना पाटन जिला दुर्ग एवं विधि का उलंघ्घन करने वाले नाबालिक के विरूद्ध धारा 106, 61(2), 238 बी.एन.एस.से 199 (क) मोटर यान अधिनियम के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। तीनों आरोपियों के जेल वारंट मिलने के पश्चात जेल दाखिल किया गया। नाबालिक बालक को संप्रेषण गृह राजनंदगांव भेजा गया।

जनरल नर्सिंग स्कूल की पूर्व प्राचार्य ने जन्मदिन पर स्कूलों में दिया नेवता भोज

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 26 सितंबर। जनरल नर्सिंग कॉलेज (तिल्दा मिशन हास्पिटल)की पूर्व प्राचार्य श्रीमती सुभाषनी गिडियन द्वारा अपने जन्मदिन पर RRV नेवरा क्रमांक 01, बांस टाल स्कूल व हेमू कालाणी के स्कूलों में नेवता भोज कराया गया।नेवता भोज के पूर्व केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद रानी सौरभ जैन, प्राचार्य डॉ राजेश चंदानी, सौरभ जैन, समन्वयक विनोद वर्मा SMC अध्यक्ष तिजन नौरंगे व सदस्य स्कूल स्टाफव छात्रों की उपस्थिति में मनाया गया सभी अतिथियों ने शाल व गिफ्ट देकर शुभकामनाएं दीं व आर्शीवाद लिए। श्रीमती एस गिडियन द्वारा नेवता भोज के साथ साथ बच्चों को बैठने हेतू दो बडा मैट दान भी दिए उनके इस प्रकार के पुनित कार्य के लिए शालेय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ व शाल देकर सम्मानित कर उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दीं।

सूने मकान में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा, 26 सितंबर। दिनांक 14.09.2025 को प्रार्थी मनोज धृतलहरे निवासी ग्राम दतरेंगी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 12.09.2025 को वह किसी काम से घर से बाहर था, उसकी पत्नी भी गृह कार्य से घर से थोड़ी देर के लिए बाहर चली गई थी, जब उसकी पत्नी घर वापस आई तो देखी की घर का सामान फैला हुआ था तथा अलमारी का दरवाजा भी खुला हुआ था, जिसमें अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रकम ?32,000 नहीं था, जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। रिपोर्ट पर थाना गिधपुरी में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना गिधपुरी पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्रवाई प्रारंभ किया गया, साथ ही घर के आसपास एवं सड़क मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों का भी गहन अवलोकन किया गया, जिसमें दो संदिध युवक प्रार्थी के घर के आसपास दिखे, जिनकी पहचान करते हुए दोनों संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा प्रार्थी के घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम चोरी करना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों से सोने के 02 नग टॉप्स एवं चोरी का नगदी रकम 16,000 रुपए तथा घटना में प्रयुत एक मोटरसाइकिल जप्त किया गया है। कि प्रकरण में दोनों आरोपियों को आज दिनांक 24.09.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। आरोपियों के नाम- 1. करण साहू उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम अहिल्दा थाना लवन 2. चंद्रशेखर वर्मा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम कोरदा थाना लवन।

हम इस दुनिया में अपना-अपना रोल निभाने आए हैं:मुनि वीरभद्र

चातुर्मासिक प्रवचन

राजनांदगांव 26 सितंबर। प्रख्यात जैन संत श्री विनय कुशल मुनि के सुशिष्य एवं 171 दिन तक उपवास का रिकॉर्ड बनाने वाले जैन मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने जैन रामायण की कथा सुनाते हुए कहा कि हम इस दुनिया में आए हैं अपना-अपना रोल निभाने, किन्तु क्या हमने अपना रोल परफेक्ट निभाया? उन्होंने कहा कि श्री राम जी ने अपना रोल परफेक्ट निभाया इसलिए वे इतिहास में अजर अमर हो गए। जैन बगीचा स्थित उपाश्रय भवन में मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने कहा कि हम दूसरों को देखते हैं कि उसने क्या किया, उसने कैसा किया, उसने ऐसा किया,उसने वैसा किया आदि आदि,किंतु हम अपने को नहीं देखते कि हमने क्या किया! हम यदि अपने को देखें और उसमें सुधार लाएं है तो हम भी अमर पात्र हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम दूसरों को ही देखने लगते हैं और उसीमें अपना समय बिता देते हैं, ऐसे में हमें अपने आपको सुधारने का समय कब मिलेगा? मुनि श्री वीरभद्र(विराग)जी ने कहा कि हर पात्र के जीवन में बदलाव आता है, जरूरत है उस बदलाव का फायदा उठाकर आत्म कल्याण के मार्ग की ओर बढ़ने की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति थोड़ा सा बदलाव पाकर विचलित हो जाता है और चारित्र (संन्यास) लेने की सोचने लगता है।

एनएसयूआई ने फर्जी कॉलेजों पर कड़ी कार्रवाई की माँग की

छत्तीसगढ़ में पैरामेडिकल शिक्षा का बड़ा घोटाला उजागर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 26 सितम्बर। छत्तीसगढ़ में पैरामेडिकल शिक्षा के नाम पर चल रहे बड़े घोटाले का पर्दाफ़ाश करते हुए राष्ट्रीय छात्र संगठन ने प्रदेशभर में संचालित फर्जी संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की माँग की। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा ने छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार जितेंद्र तिवारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और कहा कि राज्यभर में सैकड़ों फर्जी कॉलेज बिना किसी मान्यता के छात्रों से करोड़ों रुपये वसूल रहे हैं। छात्रों को फर्जी दस्तावेज़ और जाली मान्यता पत्र दिखाकर प्रवेश दिया जा रहा है, जबकि डिग्रियाँ मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों की संदिग्ध संस्थाओं के माध्यम से डिस्टेंस मोड में उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनकी न तो कानूनी वैधता है और न ही रोजगार में उपयोगिता। रजिस्ट्रार जितेंद्र तिवारी ने स्वयं माना कि पूरे प्रदेश में केवल 14 पैरामेडिकल कॉलेजों को ही वैध मान्यता प्राप्त है, जबकि बाकी सभी संस्थान अवैध और फर्जी रूप से संचालित हो रहे हैं। एनएसयूआई ने बताया कि प्रदेशभर में 100 से अधिक फर्जी पैरामेडिकल कॉलेज चल रहे हैं, जो बिना मान्यता BMLT, DMLT, ऑप्टोमेट्री, डायलिसिस तकनीशियन, OT टेक्नीशियन, OTI, लैब टेक्नीशियन जैसे कोर्स चला रहे हैं। यह शिक्षा माफ़िया न केवल छात्रों को धोखा दे रहा है बल्कि प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र की विश्वसनीयता को भी खतरे में डाल रहा है।

झालपानी में जल-जंगल यात्रा का आयोजन कर

विद्यार्थियों को दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बलौदाबाजार, 26 सितम्बर। सेवा पर्व 2025 के अंतर्गत वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के निर्देशानुसार सोनाखान परिक्षेत्र के कोसमसरा सर्किल अंतर्गत बीट उत्तर झालपानी में गुरुवार को जल-जंगल यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्राथमिक शाला झालपानी के विद्यार्थियों को वनों का महत्व, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, जल संकट के बढ़ते प्रभाव, प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले दुष्परिणाम तथा इन समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। बच्चों को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया कि किस प्रकार प्रत्येक नागरिक का छोटा-सा प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वनों, वन्यप्राणियों और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत झालपानी के सरपंच, वन प्रबंधन समिति के सदस्य, वन विभाग के अधिकारी - कर्मचारी,स्कूल के प्रधान पाठक, शिक्षक,विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संगठनात्मक मजबूती के लिए किए जाएंगे अहम बदलाव:अमित पठानिया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 26 सितम्बर। आज छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव श्री अमित पठानिया द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन की मजबूती, भविष्य की रणनीति एवं भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी।

प्रभारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस का संगठन निरंतर सक्रिय और सशक्त भूमिका में है। लेकिन बदलते हालात में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए कई अहम बदलाव किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा जनता को ठगने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का काम कर रही है।

प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि बढ़ती बिजली बिल को लेकर युवा कांग्रेस चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेगी। आने वाले समय में रायपुर राजधानी से एक बड़ा आंदोलन शुरू होगा, जिसमें आम जनता को शामिल किया जाएगा और इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

अंत में, श्री अमित पठानिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने और भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफनिर्णायक संघर्ष के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आने वाले समय में संगठन बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करेगा और हर मुद्दे पर जनता के साथ खड़ा रहेगा।

प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, मीडिया विभाग अध्यक्ष तुषार गुहा, प्रदेश महासचिव गुलजय अहमद, आदिल आलम खैरानी, अमिताभ घोष, जिला अध्यक्ष प्रशांत बोकाडे, प्रवक्ता अर्जुन श्रीवास्तव एवं सौरभ ठाकुर उपस्थित रहे।

संपादकीय

नक्सली अब स्वीकार कर रहे ...

बस्तर में नक्सली बड़ी गंभीर समस्या रहे हैं,उन्होंने बस्तर के विकास का विरोध किया इससे बस्तर का विकास नहीं हो सका। वह विकास की दौड़ में पिछड़ गया। बस्तर में नक्सली जितने मजबूत रहे,बस्तर में विकास उतना कमजोर रहा। नक्सली जब मजबूत थे,उनका सामानांतर साम्राज्य होता था तो वह स्वीकारते नहीं थे कि वह कहीं से भी सरकार के मुकाबले कमजोर हैं। साय सरकार के आने के बाद वह कमजोर हुए है और गौरतलब बात यह है कि वह अब स्वीकार करने लगे हैं कि वह अब बस्तर में कमजोर हो गए हैं।नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ में हुए मुठभेड़ में सीसीएम राजू दादा उर्फ विकप्ल उर्फ गुडसा उसेंडी व कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी उर्फ गोपन्ना की मौत के बाद नक्सलियों ने पर्चा जारी कर स्वीकार किया है कि बड़े नक्सली नेताओं के मारे जाने व बड़ी संख्या में नक्सलियों के सरेंडर करने के कारण छत्तीसगढ़ में नक्सली कमजोर हो रहे हैं। हाल में दंतेवाड़ा में पहली बार 71 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, इनमें 30 नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का ईनाम था। इसका श्रेय साय सरकार को जाता है जिन्होंने एक तरफ नक्सलियों के सफाए का अभियान चलाकर नक्सलियों के मन में मारे जाने का खौफ पैदा किया। दूसरी तरफ सरेंडर करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास व पुनर्जीवन के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास किए। इससे साफ है कि साय सरकार ने नक्सलियों के सामने दो ही विकल्प रख दिए थे या तो मारे जाओ या सरेंडर करो। साय सरकार की बड़ी सफलता यह रही कि उसने नक्सलियों के सफाए की लक्ष्य तय किया और बड़े नेताओं सहित बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार कर बताया कि मार्च 26 तक नक्सलियों का सफाया करने कटिबध्द है। बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने का प्रभाव यह है कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर शुरू कर दिया, इससे नक्सलियों दो तरफा नुकसान हुआ एक ओर नक्सली मारे गए और दूसरी ओर तेजी से सरेंडर करने लगे। नक्सली नेता इससे परेशान हैं कि वह खुद को बचाए कैसे। वह शांति वार्ता का प्रस्ताव करते हैं तो साय सरकार मानती नहीं है और दूसरे राज्य के नक्सली नेता विरोध करते हैं।

राशिफल

मेष आज आपकी प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आपको अपने भाईयों का पूरा साथ मिलेगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा। आप अपने पिताजी से किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई मनचाही खुशी की खबर सुनने को मिलेगी। आपको आज बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध नहीं करना होगा, नहीं तो परिवार के सदस्य आपकी इस आदत को लेकर परेशान रहेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। आपकी कोई अधूरी इच्छा पूरी हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको भागदौड़ रहेगी। भाई-बहनों से आपकी खूब पटेगी। कारोबार में आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। आप नौकरी में भी बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। आपके बॉस आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी देंगे, जिससे आपको घबराना नहीं है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप अपने करीबियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहेंगे। माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकल पाएंगे। परिवार में चल रही कलह को आप मिल बैठकर दूर करेंगे। आप किसी नए वाहन की खरीदारी की योजना बना सकते हैं, जिसके लिए आप लोन भी अप्लाई करेंगे। माता-पिता से आपको काम को लेकर अच्छी सलाह मिलेगी। आप इधर-उधर की बातों में ना पड़ें। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधान रहने के लिए रहेगा। आपको अपनी पढ़ाई-लिखाई के प्रति सचेत रहना होगा। आप लेनदेन से संबंधित मामलों को लेकर कोई गलत डील कर सकते हैं, इसलिए आप रुपए-पैसे से संबंधित किसी काम को लेकर बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी। कुछ नए करना की कोशिश आपको कामयाबी देगी।

सिंह आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आप बेवजह घर से बाहर न जाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आपका भगवान के भक्ति में खूब मन लगेगा। आप अपनी संतान के कामों से काफी खुश रहेंगे। आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा, लेकिन आपको कोई पेट संबंधित समस्या हो सकती है। आपकी जीवनसाथी से भी किसी बात को लेकर कहासुनी होगी, जिससे आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें।

कन्या आज आप किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। कार्यक्षेत्र में कोई बहलाने फुसलाने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने बॉस से रिश्तों को बेहतर करना होगा। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। राजनीति में कार्यरत लोगों के कामों में उलझनें बनी रहेगी, लेकिन कुछ लोग उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। किसी धार्मिक स्थान पर जाने के लिए आप प्लानिंग करेंगे।

तुला आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी भरा रहने वाला है। आज आपके अंदर ऊर्जा रहने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप करनी पड़ सकती है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। छोटे बच्चों के साथ आप समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

वृश्चिक आज आपको किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचना होगा और कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से विवादित चल रहा था, तो उसमें भी आपको जीत मिलेगी। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। संतान नौकरी के लिए कहीं बाहर जा सकता है, जो लोग विदेश में व्यापार करते हैं, उन्हें कोई बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आपको अपने किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है।

धनु आज का दिन आपके लिए सोच समझकर खर्च करने के लिए रहेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। आपके सामने आज कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ सकते हैं। आपको अपने सगे संबंधियों के साथ वक्त बताने का मौका मिलेगा। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी को करने की योजना बना सकते हैं। आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी।

मकर आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। घूमने-फिरने के दौरान आप कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करें। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें और आपके कुछ विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, जिन्हें आप अपनी चतुर बुद्धि से आसानी से मात दे सकेंगे। आप किसी नये घर की खरीदारी कर सकते हैं।

कुंभ आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। जीवनसाथी को आपका पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने घरेलू कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप कार्यक्षेत्र में किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। लोग अपने काम से काम मतलब रखें। आपका कोई अधूरा काम पूरा होने से आपको खुशी होगी। दोस्तों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यों करने में व्यतीत करेंगे।

मीन आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख साधनों में वृद्धि लेकर आना वाला है। यदि आप प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं, तो उसके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आपको किसी वाद-विवाद को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और उन्हें किसी बड़े पद की प्राप्ति भी हो सकती है। अध्यात्म के कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

इन्कमटैक्स पेयर्स ध्यान दें !शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर 87ए की छूट

सनमुखदास भावनानी

गोंदिया-भारत में आयकर कानून समय-समय पर संशोधित होते रहते हैं और हर बदलाव का असर सीधे तौर पर टैक्सपेयर्स पर पड़ता है। हाल ही में 19 सितंबर 2025 को जारी आयकर विभाग के सर्कुलर ने लाखों टैक्सपेयर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसमें कहा गया कि शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) पर पहले गलती से धारा 87ए की छूट दे दी गई थी, लेकिन अब इस गलती को ठीक किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि करदाता आयकर अधिनियम की धारा 87ए के तहत उस आय पर कर छूट का दावा नहीं कर सकते, जिस पर विशेष दरों पर कर लगाया जाता है, जिसमें शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन भी शामिल है,वित्तीय वर्ष 2023-24 में कई करदाताओं ने शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर छूट का दावा किया था, लेकिन आयकर विभाग ने उनके अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया और बकाया करों की मांग की है।विभाग ने अब ऐसे करदाताओं से 31 दिसंबर, 2025 तक अपना बकाया कर चुकाने को कहा है, यह उन मामलों पर भी लागू होता है जहां पहले गलती से छूट दे दी गई थी. सीबीडीटी ने 19 सितंबर को जारी अपने सर्कुलर में कहा था कि कई मामलों में रिटर्न गलत तरीके से प्रोसेस किए गए थे और विशेष कर दरों के अंतर्गत आने वाली आय पर छूट दी गई थी,समय पर नहीं चुकाया तो देना होगा ब्याज,अब इन गलतियों को सुधारा जा रहा है और नई डिमांड को जारी किया जा रही हैं, सर्कुलर में यह भी चेतावनी दी गई है कि भुगतान में किसी भी तरह की देरी पर आयकर अधिनियम की धारा 220(2) के तहत ब्याज लग सकता है, हालांकि, करदाताओं की परेशानी कम करने के लिए, आयकर विभाग ने राहत की पेशकश की है, उसने 31 दिसंबर, 2025 से पहले बकाया करों का भुगतान करने पर ब्याज माफ करने का फैसला किया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जुलाई 2024 से, आयकर विभाग धारा 87ए के तहत 7 लाख रुपए से कम आय वाले करदाताओं के लिए शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर छूट के दावों को खारिज कर रहा है, वित्तवर्ष 2023-24 के लिए, इन शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर 15 प्रतिशत कर लगाया जाता था, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 से यह दर बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी गई है, हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए छूट की सीमा ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत 5 लाख रुपए और नई टैक्स रिजीम के तहत 7 लाख रुपए थी,हालांकि, इस प्रावधान ने कर देयता को शून्य करने में मदद की, लेकिन यह छूट एसटीसीजी जैसी विशेष दरों पर कर योग्य आय को कवर करने के लिए नहीं थी. बाद में यह मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय तक पहुंच गया था, जिसमें दिसंबर 2024 में आयकर विभाग से करदाताओं को अपने रिटर्न संशोधित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था।जनवरी 2025 में ऐसे संशोधनों के लिए 15 दिनों की अवधि निर्धारित की गई थी, लेकिन बाद में भी कई करदाताओं को अपने लंबित बकाया का भुगतान करने के लिए नोटिस प्राप्त हुए,अंततः, केंद्रीय बजट 2025 ने यह कहकर सभी भ्रम दूर कर दिए कि धारा 111ए के तहत एसटीसीजी सहित विशेष दर वाली आय, वित्त वर्ष 2025-26 से धारा 87ए के तहत छूट के लिए पात्र नहीं होगी, अब टैक्सपेयर्स को यह समझना ज़रूरी है कि इस बदलाव का उनके टैक्स प्लानिंग, उनकी जेब और अनुपालन पर क्या असर होगा।इसलिए आज हम मीडिया में अवेलेबल जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,इन्कमटैक्स पेयर्स ध्यान दें! शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर 87ए की छूट गलती संशोधित -19 सितंबर 2025 के सर्कुलर का व्यापक विश्लेषण को हर करदाता ने ध्यान से देखना चाहिए। साथियों बात अगर हम शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन पर अब छूट क्यों नहीं मिलेगी? व धारा 87ए की छूट और एसटीसीजी में टकराव की करें तो,शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन वह लाभ है जो निवेशक को शेयर, म्यूचुअल फंड, सिक्योरिटीज या अन्य पूंजीगत संपत्तियों को 12 महीने से कम समय तक रखने के बाद बेचने पर होता है। भारत का आयकर कानून इसे विशेष श्रेणी की आय मानता है और इस पर फ्लैट दर से टैक्स लगता है।धारा 87ए टैक्सपेयर्स को 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 12,500 रूपए तक की टैक्स छूट देती है। लेकिन यह छूट केवल सामान्य आय (जैसे सैलरी, ब्याज, हाउस प्रॉपर्टी से आय आदि) पर लागू होती है। विशेष दर वाली आय, जैसे एसटीसीजी(धारा 111ए) और लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (धारा 112ए) पर यह छूट कभी लागू नहीं रही।हालांकि,तकनीकी गड़बड़ी या गलत सॉफ्टवेयर प्रोसेसिंग की वजह से कई रिटर्न में एसटीसीजी पर भी धारा 87ए की छूट दे दी गई थी।अब सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एक गलती थी और इसे सुधारा जाएगा।इसलिए अब से एसटीसीजी पर 87ए छूट नहीं मिलेगी।धारा 87ए की छूट और एसटीसीजी का टकराव-आयकर अधिनियम की भाषा स्पष्ट है- 87ए केवल"टोटल इन्कम" पर उपलब्ध है,लेकिन उसमें स्पेशल रेट इन्कम शामिल नहीं होती।इसका मतलब है कि यदि किसी व्यक्ति की कुल आय 4.5 लाख रूपए है और उसमें से 1.5 लाख रूपए एसटीसीजी से आया है, तो वह व्यक्ति छूट का लाभ नहीं ले पाएगा।क्योंकि, एसटीसीजी पर टैक्स फ्लैट 15पेर्सेंट की दर से लगेगा।बाकी आय पर स्लैब रेट लगेगा। धारा 87ए केवल स्लैब रेट वाली आय पर छूट देती है, स्पेशल रेट वाली आय पर नहीं।इसलिए सरकार ने यह स्पष्ट किया कि कोई भी टैक्सपेयर अब एसटीसीजीको 87ए छूट में क्लेम नहीं कर सकेगा।

साथियों बात अगर हम क्या पहले गलती से मिली छूट वापस करनी होगी? की करें तो,यदि किसी टैक्सपेयर को पहले एसटीसीजी पर 87ए की छूट मिल चुकी है, तो उसे अब वह राशि वापस करनी होगी।उदाहरण-मान लीजिए, किसी व्यक्ति की कुल आय 4.8 लाख रूपए थी, जिसमें से 2 लाख रूपए एसटीसीजी थासॉफ्टवेयर ने उसे गलती से 87ए छूट दे दी और टैक्स शून्य हो गया।अब विभाग रिटर्न री-प्रोसेस करेगा और कहेगा- एसटीसीजी पर 15 पर्सेंट टैक्स दो।इस तरह उस टैक्सपेयर को बकाया टैक्स, ब्याज और संभव हो तो पेनल्टी भी देनी पड़ेगी।यह स्थिति कई लोगों के लिए भारी हो सकती है, क्योंकि वे यह मानकर चल रहे थे कि उन्हें कोई टैक्स नहीं देना।पर 87ए की छूट मिल चुकी है, तो उसे अब वह राशि वापस करनी होगी। साथियों बातें अगर हम,बकाया कर जमा न करने पर क्या होगा? इसको समझने की करें तो,यदि कोई टैक्सपेयर 31 दिसंबर 2025 तक बकाया कर जमा नहीं करता, तो आयकर विभाग सख्त कार्रवाई करेगा (1) ब्याज- धारा 234A, 234B, 234C के तहत 1पर्सेंट प्रति माह की दर से ब्याज लगेगा।(2) जुर्माना- धारा 271 और 273 के तहत भारी जुर्माना लग सकती है (3) रिकवरी -विभाग बैंक अकाउंट, वेतन या प्रॉपर्टी से वसूली कर सकता है।(4)प्रोसेक्युशनः गंभीर मामलों में अभियोजन भी संभव है।यानें टैक्सपेयर्स को गलती से मिली छूट वापस करने से बचने का कोई रास्ता नहीं है। अतःअगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टैक्सपेयर्स के लिए चेतावनी और सबक- शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन हमेशा से ही एक विशेष श्रेणी की आय रही है जिस पर फ्लैट दर से टैक्स लगता है। धारा 87ए का लाभ इस पर कभी नहीं था। लेकिन तकनीकी गलती से छूट मिल गई, जिससे टैक्सपेयर्स को झूठा फायदा हुआ।अब विभाग ने इस गलती को सुधार लिया है और टैक्सपेयर्स को 31 दिसंबर 2025 तक अपना बकाया चुका देना होगा।यदि वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें ब्याज, पेनल्टी और वसूली का सामना करना पड़ेगा।

तिहाड़ में खूंखार अपराधियों-आतंकियों की क़ब्रों पर 'आस्था' का सैलाब

अजय कुमार,

दिल्ली की तिहाड़ जेल जो एशिया की सबसे बड़ी और सुरक्षित मानी जाने वाली जेल है, उसके भीतर हाल में एक ऐसा शर्मनाक और विचलित करने वाला दृश्य सामने आया है जिस पर समाज के हर जिम्मेदार नागरिक को गहराई से सोचने की आवश्यकता है। यह वही जेल है जहां देश के सबसे खूंखार आतंकवादी, अपराधी और दुर्दांत कैदी रखे जाते हैं। परंतु आश्चर्यजनक यह है कि यहां इन अपराधियों और आतंकवादियों के लिए कब्र के रूप में एक व्यवस्था खड़ी हो गई है और वहां का माहौल किसी मेले की तरह बना दिया गया है। जो स्थान अपराधियों और आतंकियों की धूर्तता और दहशत का प्रतीक होना चाहिए, वही अब उनके तथाकथित महिमामंडन का स्थल बन रहा है। दिल्ली की अदालतों में इस बाबत याचिकाएं भी दर्ज की गई हैं जिनमें इसे रोकने और इस पर ठोस नकेल कसने की मांग की गई है। मामला ऐसा है कि तिहाड़ जेल परिसर के भीतर कुछ अपराधियों और आतंकवादियों की मौत के बाद उनकी कब्र बनाई गई। समय के साथ इन कब्रों के आसपास स्थानीय स्तर पर एक भीड़ जुटने लगी और अंध विश्वास के चलते लोगों ने इसे आस्था का केंद्र बना डाला। जिन अपराधियों ने समाज को हिंसा, आतंक और खूनखराबे के सिवा कुछ नहीं दिया, आज उन्हीं की कब्रों पर श्रद्धांजलि देने, फूल चढ़ाने और मन्नत मांगने का ढोंग हो रहा है। कोई इसे अपने कारोबार के लिए शुभ मान रहा है तो कोई अपने निजी मामलों के लिए चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि अपराधियों के नाम पर बने इन स्थलों पर जुट रही भीड़ में अपराधियों की छवि को नायक का रूप दिया जा रहा है। भारतीय न्याय व्यवस्था और संविधान ने हमेशा यह स्पष्ट रूप से कहा है कि अपराधी चाहे कितना बड़ा क्यों न हो, उसके साथ न्यायिक प्रक्रिया के तहत व्यवहार किया जाना चाहिए। लेकिन तिहाड़ जैसे संवेदनशील स्थल के भीतर खून से रंगे हाथों वाले अपराधियों की कब्र पर हो रहा यह जमावड़ा न्याय और समाज, दोनों के लिए सबसे बड़ा अपमान है। यह वह जेल है जहां आतंकी साजिश रचने वाले, देशद्रोह करने वाले, निर्दोषों का कत्ल करने वाले और संगठित आपराधिक गैंग चलाने वाले कैद होकर अपने अपराधों की सजा भुगतते रहे। मगर उनकी मृत्यु के बाद कब्रों को पूजा स्थल बना देना उस व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है जो सुरक्षा और सुधार के नाम पर चल रही है। इस पूरे घटनाक्रम को अदालत में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि तिहाड़ जेल जैसे अत्यंत संवेदनशील स्थान पर अपराधियों और आतंकियों के नाम पर कब्रें बनाना और वहां मेला-जैसा माहौल बनाना न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि पूरे समाज में अपराध और आतंक के प्रति गलत संदेश देता है। अदालत में दिए गए तर्कों में यह भी कहा गया कि अपराधियों का जत्था हमारे समाज का आदर्श नहीं बन सकता, फिर उनकी कब्र को किसी तरह की मान्यता देना न्याय और अपराध, दोनों के बीच की रेखा को धुंधला कर देगा। अदालत से यह मांग की गई है कि जेल परिसर से इन कब्रों को हटाया जाए और इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। तिहाड़ जेल प्रशासन भी इस मामले में कठघरे में खड़ा है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर प्रशासनिक चूक के चलते ऐसी कब्रें कैसे बनने दी गईं और वहां भीड़ जुटने से रोकने के लिए उचित और समय पर कदम क्यों नहीं उठाए गए। देश की सबसे बड़ी जेल से इस प्रकार की खबर बाहर आना प्रशासनिक लापरवाही का ही सुबूत है। यदि अपराधियों का महिमामंडन जेल के भीतर ही होने लगे और लोग उन्हें पूजने लगें, तो इसका सीधा असर जेल की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और समाज की मनोवृत्ति पर पड़ेगा। समाजशास्त्र के विशेषज्ञ इसे अत्यंत खतरनाक बताते हैं। उनका कहना है कि अपराधियों को किसी भी रूप में आदर्श या नायक बनाने की प्रक्रिया नई पीढ़ी के भीतर विकृत आदर्श गढ़ने का काम करती है। आज तिहाड़ जेल के भीतर जो हो रहा है, वह आने वाले कल में युवाओं के लिए यह संदेश देगा कि अपराध करके भी कोई मौत के बाद समाज में महिमामंडित हो सकता है। यह वह मानसिकता है जो अपराध को पनाह देती है और कानून के शासन को कमजोर करती है। इन कब्रों पर जुटने वाले लोगों में से कई ऐसे भी हैं जो अपराधियों की दबंग छवि से प्रभावित होकर उनसे प्रेरणा लेने की बात करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर खतरनाक नहीं है बल्कि समाज की व्यापक संरचना के लिए भी घातक है। अपराधियों और आतंकवादियों की छवि को महिमामंडित किया जाना उस दर्द और ग़म का अपमान है जो उनके पीड़ितों ने भोगा। जिन परिवारों ने अपने प्रिय जनों को आतंक और अपराध की भेंट चढ़ते देखा है, उनके लिए यह दृश्य और अधिक कचोटने वाला होगा जब वे देखेंगे कि उन्हीं अपराधियों और आतंकियों की कब्रों पर फूल चढ़ाए जा रहे हैं। इस तरह के दृश्य यह भी बताते हैं कि हमारे समाज में अंधविश्वास और गलत नायकों को पूजने की प्रवृत्ति किस हद तक गहरी है। यह स्थिति केवल तिहाड़ जेल तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि आने वाले समय में देश के अन्य हिस्सों में भी अपराधियों को नायक बनाने की संस्कृति को बढ़ा सकती है। इससे रोकथाम करना केवल प्रशासन की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अपराधियों को किसी भी रूप में पूजना एक सामाजिक अपराध है। अदालत में दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई जारी है और अदालत ने प्रशासन से जवाब मांगा है कि आखिरकार किस आधार पर इन कब्रों को बनने दिया गया और वहां आस्था के नाम पर भीड़ इकट्ठा होने से क्यों नहीं रोका गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इसमें प्रशासन की कोई मिलीभगत पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला आने वाले समय में इस प्रकार की घटनाओं के लिए मिसाल बनेगा। तिहाड़ जेल का मामला हमें यह याद दिलाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली का सबसे बड़ा उद्देश्य समाज को अपराध और भय से मुक्त रखना है। जब उस व्यवस्था की सबसे प्रतिष्ठित जेल ही अपराधियों का महिमामंडन करने लगे तो यह हमारे लिए चेतावनी की तरह है। ऐसे में आवश्यक है कि तुरंत कठोर कदम उठाकर इन कब्रों को हटाया जाए, वहां जुट रहे जमावड़े को पूरी तरह से रोका जाए और अपराधियों की किसी भी प्रकार से पूजा करने की प्रवृत्ति को कानून के दायरे में अपराध मानकर कार्रवाई की जाए। देश के करोड़ों नागरिक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि अदालत इस मसले पर कठोर निर्णय लेगी और प्रशासन अपनी लापरवाही का प्रायश्चित करेगा। क्योंकि यह केवल जेल प्रशासन या अदालत का विषय नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान और न्याय की रक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। खून से सनी कहानियों वाले अपराधियों को नायक या संत का चोला पहनाना भारतीय समाज के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक स्थिति है। अब समय आ गया है कि इस स्थिति को निर्णायक रूप से रोका जाए और तिहाड़ जैसे नामचीन स्थल पर कानून और न्याय की ही सत्ता कायम हो।

'आई लव मोहम्मद' के नाम पर देश में दहशत का माहौल

संजय सक्सेना,लखनऊ

देश में इन दिनों जिस तरह से कुछ योजनाबद्ध तरीके से खतरनाक स्लोगनों के सहारे समाज में जहर घोला जा रहा है, उसने संपूर्ण राष्ट्र को चिंता में डाल दिया है। आई लव मोहम्मद जैसे दिखने वाले मासूम से प्रतीत होने वाले नारे जब राजनीतिक-धार्मिक मकसद से फैलाए जाते हैं और उसके सहारे हिंसक व उन्मादी समूह यह संदेश देने लगते हैं कि यदि किसी ने उनके विचारों या धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया तो उसके लिए केवल एक ही सजा है 'सिर तन से जुदा', तब यह मुहिम सिर्फ धार्मिक भावनाओं के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्र की कानून-व्यवस्था, सामाजिक एकता और शांति के लिए गहरी चुनौती बन जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह के उत्तेजक नारों और खतरनाक स्लोगनों की बाढ़ ने हालात को इतना बिगाड़ दिया है कि हर जगह तनाव और टकराव का वातावरण बन रहा है। यह केवल नारे या दीवारों पर लिखी बात नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से अराजकता और भय का माहौल तैयार करने की साजिश है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ अतिवादी तत्व इस मुहिम का उपयोग समाज को बांटने और हिंसा भड़काने के लिए कर रहे हैं। जब भी खुली सड़क पर या साइबर माध्यमों में ऐसे नारे लगते हैं, तो वह अविश्वास और डर का वातावरण बनाते हैं। लोग सोचने लगते हैं कि देश की कानून-व्यवस्था इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी समूह किसी भी समय खुलेआम कानून को धता बताकर हिंसा का संदेश फैला सकता है और शासन-प्रशासन बेबस बना हुआ है। यह परिस्थिति न सिर्फ राज्य की सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि आम नागरिक को भी यह अनुभव कराती है कि उसकी सुरक्षा और सम्मान खतरे में है। स्थितियों को और गंभीर बनाने वाला पक्ष यह है कि इन अराजक तत्वों को सीधे तौर पर कुछ ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्हें यह लगता है कि इस तरह के उग्र नारों और असामाजिक कार्यों को संरक्षण देकर वे किसी विशेष वर्ग का वोट बैंक हमेशा अपने साथ बनाए रखेंगे। यह बेहद शर्मनाक दृश्य है जब राष्ट्रविरोधी और अशांतिपूर्ण गतिविधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है। इससे न सिर्फ लोकतंत्र कमजोर होता है, बल्कि संविधान और कानून की गरिमा पर भी दुर्भावनापूर्ण चोट पहुंचती है।

ऐसे हालात में सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था पर पड़ती है। पुलिस और प्रशासन को हर उस समूह और व्यक्ति की पहचान करनी चाहिए जो इस तरह के खतरनाक स्लोगन लिखने, चिपकाने या फैलाने में शामिल हैं। नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए जब कोई खुलेआम 'गुस्ताख-ए-रसूल की एक ही सजा, सिर तन से जुदा' जैसे हिंसक नारे देता है, तो यह सीधे-सीधे देश की शांति और व्यवस्था के खिलाफ युद्ध जैसी घोषणा होती है। इसे किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे कृत्यों पर कठोरतम प्रावधानों के तहत तुरंत कार्रवाई हो। कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो यह न केवल समाज में वैमनस्य फैलाने का अपराध है, बल्कि देश की अखंडता और आपसी सौहार्द पर सीधा प्रहार है। ऐसे में सिर्फ दिखावटी गिरफ्तारी या हल्की-फुल्की कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इन तत्वों के नेटवर्क को तोड़ना होगा, यह देखना होगा कि इनके पीछे किसकी वित्तीय व राजनीतिक मदद है और कौन इन्हें संरक्षण प्रदान कर रहा है। जब तक इस पूरे खेल को उजागर कर दोषियों को सख्त सजा नहीं दी जाती, तब तक यह मुहिम रुकने वाली नहीं है।ऐक्टिववियरयह भी जरूरी है कि इन आंदोलनों व नारों में शामिल लोगों को उदाहरणात्मक दंड मिले ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या समूह इस तरह की दुस्साहसिक हरकत करने का साहस न कर सके। देश में पहले भी कई बार देखा गया है कि जब सख्त कार्रवाई होती है तो अराजक तत्वों का हौसला टूटता है और वह पीछे हट जाते हैं। लेकिन जब ढिलाई बरती जाती है या राजनीतिक दबाव में मामलों को रफा-दफा कर दिया जाता है, तो यह तत्व और ज्यादा ताकतवर होकर उभर आते हैं। इसलिए इस समय की मांग है कि सरकार और न्यायपालिका दोनों मिलकर ऐसे कठोर फैसले लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनें। इस पूरी स्थिति का दूसरा पहलू समाज में फैल रहा भय और असुरक्षा है। एक नागरिक के तौर पर हर व्यक्ति यह चाहता है कि वह बिना डर के अपने विचार रख सके, देश के हर हिस्से में सुरक्षित रह सके और प्रशासन उसकी सुरक्षा की गारंटी ले। जब सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक ऐसे हिंसक नारे फैलने लगते हैं, तो सामान्य नागरिक के मन में असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यह सीधे-सीधे लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है। लोकतंत्र की बुनियाद यह है कि हर व्यक्ति कानून के नियमों के तहत स्वतंत्र और सुरक्षित जीवन जी सके। अतः यह बेहद जरूरी हो गया है कि राष्ट्र के सभी जिम्मेदार नागरिक मिलकर इस दुष्प्रचार और सांप्रदायिक जहरीले खेल के खिलाफ खड़े हों।सवाल यह भी उठता है कि इस मुहिम को चालू रखने वालों का असली मकसद क्या है। क्या वे सिर्फ धर्म के नाम पर भावनाएं भड़काना चाहते हैं, या फिर देश की स्थिरता और शांति को तोड़ना चाहते हैं। इसकी तह तक जाना और इसका भंडाफोड़ करना बेहद आवश्यक है। जब तक यह साफ नहीं होगा कि असली खिलाड़ी कौन है, तब तक इस खेल को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है। लेकिन यह निश्चित है कि इनके लक्ष्य राष्ट्र और समाज के लिए घातक हैं।ऐक्टिववियर इस सच्चाई को समझना भी आवश्यक है कि इस तरह के खतरनाक नारे न सिर्फ हिंदू और मुसलमानों के बीच दीवार खड़ी करते हैं, बल्कि दूसरे सभी समाजों को भी भय के घेरे में डालते हैं। जब समाज भयभीत होता है, तो वहां विकास, शिक्षा, रोजगार और प्रगति की राहें बंद हो जाती हैं। इसलिए इन नारों के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखने का सवाल नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के भविष्य और प्रगति से भी जुड़ा मामला है। अब सवाल है कि इस पर कार्रवाई कैसे हो। सबसे पहले सभी स्थानों पर फैले इन विवादित स्लोगनों को तुरंत हटाया जाना चाहिए। इसके बाद, ऐसे स्लोगन फैलाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह और समाज विरोधी कृत्यों के तहत मुकदमे दर्ज किए जाने चाहिए। सोशल मीडिया पर इसका प्रसार करने वाले खातों को तुरंत बंद कर, उन व्यक्तियों को न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए। नेताओं और राजनीतिक दलों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो कि कौन लोग राष्ट्रविरोधी तत्वों को संरक्षण दे रहे हैं। यदि राजनीतिक संरक्षण साबित हो तो उन नेताओं पर भी कठोर कार्रवाई हो, चाहे वे कितने ही बड़े पदों पर क्यों न हों।

हर ओर माता के जयकारे गूंजते रहे

झमाझम बारिश के बावजूद पंचमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- सुबह 4 बजे से श्रद्धालुओं की लगनी शुरू हो गई थी कतार
- मंदिर परिसर, कॉरीडोर एवं रीवर फ्रंट लाखों श्रद्धालुओं से पटा रहा
- माता के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में दूरस्थ क्षेत्र से दंतेवाड़ा पहुंचे श्रद्धालु
- साल दर साल शारदीय नवरात्र पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती ही जा रही
- भीड़ को व्यवस्थित करने जवानों के साथ साथ स्काउट गाइड के छात्र भी डटे रहे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 26 सितंबर। शारदीय नवरात्र की पंचमी पर आज माांई दंतेश्वरी देवी के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु माांई के दरबार में पहुंचे। पंचमी पर आज दंतेश्वरी मंदिर में भक्तों की ऐतिहासिक भीड़ देखी गई। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार मंदिर परिसर में लगनी शुरू हो गई थी। सुबह झमाझम बारिश भी हुई बावजूद श्रद्धालु आस्था से डिगे नहीं और भीगते हुए भी कतार में खडे अपनी बारी का इंतजार करते रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ को सम्हालने प्रशासन ने भी पूरी व्यवस्था कर रखी थी। पुलिस, यातायात के जवान, स्काउट गाई के छात्र समेत, कई स्वयं सेवी संस्था के लोग भी व्यवस्था सम्हालने में सुबह से जूटे रहे। भीड़ का आलम यह कि सुबह 5 बजे से कतार में खड़े भक्त 9 बजे जाकर माता के दर्शन कर पाए ।

शारदीय नवरात्र के पंचमी तिथि पर आज सुबह मांईजी के मंदिर में मां दुर्गा के पांचवे रूप स्कंदमाता की विशेष पूजा आरती हुई। पंचमी पर आज पदयात्रियों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ गई थी। जगदलपुर से दंतेवाड़ा सड़क मार्ग पुरी तरह से भक्तों से अटा पड़ा है। सड़कों पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ को देखकर यह अंदाजा लग गया था कि पंचमी पर इस बार भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु दंतेश्वरी मंदिर पहुंचेंगे और हुआ भी वही। हाथों में माता के ध्वज पकड़े भक्त जय माता दी के जयघोष लगाते दिन रात आगे बढ़ते चले जा रहे हैं। कुछ भक्त कई कई किलोमीटर से घुटनों के बल, तो कोई लेटकर माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहा है। ऐसे भक्तों के लिए प्रशासन ने एक अलग ही मार्ग बनाया हुआ है जिसमें केवल ऐसे कठिन तप कर पहुंच रहे श्रद्धालुओं को ही आने की इजाजत है। अन्य भक्तों के लिए मंदिर कारीडोर में बेरिकेटिंग्स की व्यवस्था की गई है जहां भक्त बेरिकेटिंग्स के अंदर कतारबद्ध खड़े होकर आगे बढते जाते हैं और मंदिर के अंदर जाकर उन्हें देवी दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है। वैसे तो नवरात्र के पहले दिन से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आनी शुरू हो गई थी। आज पंचमी पर हर साल की तरह हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड् उमड़ पड़ी। एक जानकारी के मुताबिक सुबह 4 बजे से दोपहर 12 बजे तक करीब 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आज माता के दर्शन किए हैं।

शाम तक यह आंकड़ा लाखों के करीब पहुंच सकती है। पिछले साल की तुलना में इस बार भी भीड़ में कहीं कोई कमी नजर नहीं आई बारिश के बावजूद भी भक्त पहुंचते रहे। नवरात्र के पहले दिन से ही बारिश गिरना शुरू हुआ था जो आज पंचमी तक प्रतिदिन रूक रूककर बारिश होते ही रहा। ईधर बारिश के चलते नवरात्र मेला में दुकान लगाने पहुंचे दुकानदार जरूर परेशान होते दिखे। बारिश के वजह से दुकानदारी भी प्रभावित हुई है लोगों की ऐसा कई दुकानदारों का कहना है। बहरहाल आज पर माता दंतेश्वरी की नगरी पुरी तरह से भक्तिमय हो चुकी है। चहुंओर माता के जयकारे गूंजायमान हो रहे हैं। दंतेवाड़ा में आज आस्था का सैलाब सा उमड़ पड़ा है। एक बार यही दृश्य महाअष्टमी पर भी देखने को मिलेगा। नवरात्र के मददेनजर जिला प्रशासन ने पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक ढंक से झालरों से सजाया है। शाम होते ही रंग बिरंगे झालरों की रोशनी से पूरा मंदिर परिसर एवं नवनिर्मित कारीडोर तथा रीवर फ्रंट नहा उठता है। बाहर से आए श्रद्धालुओं के लिए पूरे 9 दिनों तक निःशुल्क भोजन की व्यवस्था व्यापारी संघ दंतेवाड़ा द्वारा किया गया है जहां रोजाना हजारों की संख्या में भक्तों को दोनों समय का भोजन प्रसादी वितरण किया जा रहा है।

एक नजर

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विकास कार्यों की हुई समीक्षा

दंतेवाड़ा, 26 सितम्बर । धरती आबा जनजातीय ग्रामीण उत्कर्ष अभियान योजना के अन्तर्गत आदि कर्मयोगी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला प्रभारी असिस्टेंट मैनेजर, ट्राईबल मिनिस्ट्री ऑफ अफेयर्स, नई दिल्ली श्री वी0के0 तिवारी, द्वारा चयनित ग्रामों का भ्रमण किया गया। तत्पश्चात आदि कर्मयोगी अभियान के सफल क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में श्री तिवारी ने कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत से आदि कर्मयोगी अभियान के सभी डिजिटल डॉक्यूमेंट पर चर्चा किया गया। इसके अलावा बैठक में आदिकर्मयोगी अभियान के तहत चयनित ग्रामों में चल रहे ग्राम विकास कार्यों का दस्तावेजीकरण, फोटो के माध्यम से और भविष्य में योजनाओं को और प्रभावी बनाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आदि कर्मयोगी पोर्टल में विलेज एक्शन प्लान की गतिविधियों संबंधी फोटोग्राफ अपलोड शीघ्र पूर्ण करने हेतु कहा गया। इस आदि कर्मयोगी समीक्षा बैठक में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, श्री राजीव कुमार नाग, जिले के समस्त मास्टर ट्रेनर्स एवं समयीता मठ के एन0जी0ओ0 उपस्थित थे।

भोपालपटनम ब्लॉक के 9 ग्राम पंचायत नियद नेल्लानार योजना में शामिल

बीजापुर 26 सितम्बर । बीजापुर जिले के विकासखण्ड भोपालपटनम से 09 ग्राम पंचायतों (वरदली, लिंगापुर, दम्मूर, बारेगुड़ा, वाडला, गुल्लापेटा, गोल्लागुडा, तिमेड़, गोटाईगुडा) के 26 ग्रामों को शासन द्वारा संचालित अतिमहत्वपूर्ण ÷नियद नेल्लानार योजना÷ (आपका आदर्श ग्राम योजना) में शामिल किया गया है। इन पंचायतों को योजना में शामिल किए जाने से ग्रामीणों को अब शासन की सभी प्रमुख योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। वहीं अक्टूबर 2025 से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अंतर्गत निःशुल्क चावल एवं अन्य खाद्यान्न सामग्री यहाँ के राशन कार्ड धारकों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस निर्णय से क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है।

बस्तर ओलंपिक में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

बीजापुर 26 सितम्बर । छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बस्तर क्षेत्र के युवाओं को मुख्यधारा जोड़ने, उनके रचनात्मक खेल प्रतिभा को निखारने उन्हे अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने तथा बस्तर क्षेत्र की जनता का शासन से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से ÷बस्तर ओलम्पिक-2025÷ खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। जिसके अन्तर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी (जिला स्तर), वेटलिफ्टिंग (जिला स्तर), कराते, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलबाल एवं रस्साकसी (केवल महिला सीनियर वर्ग के लिए) आदि खेलों के विभिन्न इवेंटस सम्मिलित होगें। नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए प्रतिभागियों एवं आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली सदस्यों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें सीधे संभाग स्तर पर प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई जाएगी।

नवीन प्रदूषण जांच केन्द्र स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 26 सितम्बर । जिला बीजापुर क्षेत्रांतर्गत 05 नवीन प्रदूषण जाँच केन्द्र स्थापित किया जाना है, जिसके लिए जिला परिवहन कार्यालय कलेक्ट्रेट परिसर जिला बीजापुर में इच्छित अर्हताधारी आवेदक 200- विहित शुल्क जमा कर 30 सितम्बर 2025 शाम 05:30 बजे तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं तथा उक्त संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित तिथि व समय के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

रैंप योजना अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन 29 सितंबर को

महासमुंद, 26 सितम्बर । उद्योग विभाग द्वारा रैंप योजना के अंतर्गत जेम पोर्टल के माध्यम से वस्तु, सेवा क्रय प्रक्रिया पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला 29 सितम्बर 2025 को दोपहर 12.00 बजे जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित होगी।इस अवसर पर जेम टीम रायपुर द्वारा जिला स्तरीय शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभागीय निविदा प्रक्रिया हेतु जेम पोर्टल पर क्रेता के रूप में ऑनबोर्डिंग, निविदा दस्तावेज तैयार करने, प्रकाशित करने एवं निविदा खोलने की संपूर्ण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विक्रेता के रूप में जेम पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग, उत्पाद कैटलॉग बनाने एवं निविदाओं में भागीदारी हेतु आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों को समय पर उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया है।

क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों एवं संस्थानों का किया गया सम्मान

महासमुंद 26 सितंबर । विकासखण्ड बागबाहरा अंतर्गत गुरूवार को अनुविभाग स्तरीय शिक्षक सम्मान 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन एसडीएम श्री उमेश कुमार साहू ने किया। इस समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों एवं संस्थानों को सम्मानित किया गया।इस दौरान एसडीएम श्री साहू ने सभी चयनित शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण से सम्मानित शिक्षकों को विशेष मंच पर आमंत्रित कर उनके कार्यों को प्रेरणादायी बताया। इस अवसर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा होते हैं। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चितालूर कन्या आवासीय विद्यालय के शिक्षक क्वार्टरों की मरम्मत ठेकेदार ने पूरी नहीं की

- क्वार्टर के दरवाजे नहीं बदले गए, टूटे फूटे दरवाजे में शिक्षिकाएं बोरे घुसेडकर रहने को मजबूर,
- बारिश में जहरीले जीव जन्तुओं के घरों में घुसने का बना रहता है डर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 26 सितंबर। दंतेवाड़ा जिले के चितालूर पंचायत में कन्या आवासीय विद्यालय पोटा केबिन के 8 शिक्षक क्वार्टर को रिपेयर करने का ठेका ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग से गीदम के ठेकेदार देवा उर्फ देवेंद्र टांगराज को मिला था। करीब 2 माह पूर्व काम शुरू किया गया था। मकान के छत पर टीन का शीट लगाकर ढका गया है ताकि छत पर बारिश का पानी न रिस पाए। बाथरूम का दरवाजा भी ठेकेदार ने लगाया है वहीं मकान का मुख्य दरवाजा जो पूरी तरह से प्लाई का होने से सडकर टूट गया है इसे भी ठेकेदार को बदलना था वहीं ठेकेदार आधा अधूरा काम कर दो माह से गायब हो गया है। क्वार्टर का मुख्य दरवाजा पूरी तरह से खराब हो चुका है जिसे बदलना था लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के चलते अब तक दरवाजा बदलने का काम पूरा नहीं हो पाया है। ठेकेदार आधा काम करके महिनों से गायब है। परिसर में करीब 8 क्वार्टर हैं जिसमें विद्यालय की शिक्षिकाएं एव प्यून वगैरह रहते हैं। इनका कहना है कि ठेकेदार ने दरवाजा नहीं बदला है जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। टूटे हुए दरवाजे में हमें हर रोज बोरा एवं कपड़े घुसेडकर दरवाजे के छेद को ढंकना पड़ता है। बारिश का समय है ऐसे में हर वक्त जहरीले जीव जन्तुओं के घरों के घुसने का डर बना रहता है। जल्द से जल्द दरवाजा लगवाने की आवश्यकता है। ईधर ठेकेदार का कहना है कि जो लेबर मिस्त्री काम कर रहे थे वे बाहर प्रदेश से थे लिहाजा उनके घर चले जाने के वजह से काम में विलंब हुआ है उनके आते ही दरवाजा बदलने का काम भी जल्द पूरा कर दिया जाएगा। आरईएस के कार्यपालन यंत्री ए आर खरे से जब पूछा गया तो उन्होने भी ठेकेदार पर लापरवाही बरतने की बात को कबुला और कहा कि ठेकेदार को बोलेंगे और जल्द से जल्द सभी 8 क्वार्टरों में नए लोहे वाले दरवाजे लगवाने का काम किया जाएगा।

इंद्रावती के मंगलघाट में किया बाढ़ आपदा मॉकड्रिल

बीजापुर 26 सितम्बर । राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत भैरमगढ़ ब्लॉक के मंगलनार घाट के पास इंद्रावती नदी पर बाढ़ आपदा से निपटने हेतु एक विस्तृत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की तत्परता का परीक्षण करना और जनता को जागरूक करना था। मॉक ड्रिल की शुरुआत दो नागरिकों के बाढ़ में फंसे होने की सूचना के साथ हुई, जिसके पश्चात जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल एवं नगर सेना ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फंसे हुए व्यक्तियों को हेलिकॉप्टर की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा, शंखनी नदी पर बांगापाल के समीप पुल टूटने की काल्पनिक स्थिति का भी अभ्यास किया गया, जिसमें तेजी से राहत एवं पुनर्वास कार्य किए गए।बाढ़ राहत के लिए अत्याधुनिक संसाधनों का उपयोग- इस मॉक ड्रिल में मोटर बोट, लाइफ जैकेट, रस्सियाँ और अन्य बचाव उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया गया। राहत

दलों द्वारा जलमग्न क्षेत्रों में मोटर बोट के माध्यम से पहुंच बनाकर स्थानीय नागरिकों की मदद की गई। राहत कार्यों के दौरान एंबुलेंस की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की गई और प्राथमिक उपचार के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा छ्क्क्र (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) जैसी जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।स्वास्थ्य जांच और पेयजल की व्यवस्था- राहत शिविरों में अस्थायी मेडिकल कैंप लगाए गए, जहाँ प्रभावितों की स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरतमंदों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही, जल स्रोतों का परीक्षण कर शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की गई ताकि संक्रमण की आशंका को रोका जा सके।राहत शिविरों में समुचित व्यवस्था- प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, और रहने की समुचित व्यवस्था की गई।

गांव में दहशत फैलाने की मंशा से पेट्रोल डालकर कार और बाइक में लगाई आग

कोरबा। गांव में दहशत फैलाने की मंशा से अज्ञात लोगों ने कार और दो बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी. घटना से गांव में मचे हड़कंप के बीच ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़कर कार्रवाई करने की मांग की है. ग्राम पंचायत तिलकेजा में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अज्ञात लोगों ने एक इको वाहन और दो मोटरसाइकिलों को आग लगा दी।

वाहन मालिक नरेंद्र उरांव ने आगजनी से लाखों रुपए के नुकसान की बात कहते हुए इसे सोची-समझी साजिश का हिस्सा बताया है.इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है. ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं. इस मामले में कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि उरगा थाना पुलिस को सूचना दी गई है. मौके पर पहुंचकर जांच की जा रही है।

पोषण माह में महिलाओं को दी पोषक तत्वों की जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा,26 सितंबर। सिमगा में वांड 04 एवं 05 में राष्ट्रिय पोषण माह के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा पोषण माह मनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से धर्मरक्षा वाहिनी की बसंती गुप्ता इस कार्यक्रम विशेष रूप से उपस्थित रही। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती लीला वर्मा द्वारा उपस्थित हितग्राहियों को स्थानीय खाद्य पदार्थो जैसे - चना, सोयाबीन, रागी, हरी सब्जी साग भाजी, रेडी टू ईट जैसे आदि पोषक तत्वों की गुणवत्ता की जानकारी दी गई। पोषण आहार और पूरक पोषण आहार की महत्वता बताने के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा व्यक्तिगत सुरक्षा एवं वजन विषय पर चर्चा किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शारदा भोसले के द्वारा गर्भवती, शिशुवती माताओं को पौष्टिक आहार के बारे में विस्तरित जानकारी दी गई। वार्ड 04 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कल्पना तिवारी के द्वारा हरी सब्जियों को बनाने से पूर्व क्या क्या सावधानियां रखनी चाहिए ताकि उनके पोषण तत्व नष्ट हो इसकी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम पोषक तत्व के साथ-साथ मोटापे का समाधान एनीमिया से बचाव के बारे में बताया गया। हाथों को कितने चरणों में धोना चाहिए ताकि किटानु पुरी तरह नष्ट हो इसका प्रयोग कर बताया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कविता देवांगन, अन्नू देवांगन, नम्रता देवांगन, झुला देवांगन, खेदिया बाई, तामेश्वरी कुंभकार, उर्मिला, जानकी एवं उषा देवांगन उपस्थित थे।

आजाद दुर्गोत्सव समिति ने मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा की स्थापना की

सिमगा । आजाद दुर्गोत्सव समिति सिमगा द्वारा नवरात्र के पावन पर्व पर मां दुर्गा की मूर्ति की धूमधाम से स्थापना की गई, सेवा गीतों एवं मातारानी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया,नौ दिन चलने वाले इस पर्व में सभी भक्तों को मनोवांछित आशीर्वाद मातारानी प्रदान करें उक्त जानकारी दुर्गा समिति के पुरोहित पं योगेश चतुर्वेदी द्वारा दी गई।

निःशुल्क उपचार करने वाले अस्पतालों की सूची जारी

बीजापुर 26 सितंबर । जिले वासियों को सीमावर्ती राज्यों में आयुष्मान कार्ड से बेहतर उपचार करने के लिए निजी अस्पतालों की सूची हेतु लिंक जारी की गई है। बीजापुर जिले के कई मरीज एवं परिजन आयुष्मान कार्ड वाले अस्पतालों से अनभिज्ञ होने के कारण बहुत से परेशानियों का सामना करते है।

समाचार संक्षेप

भाजपा पूर्वी मंडल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती उत्साह से मनाई

जगदलपुर,26 सितंबर। आज भाजपा पूर्वी मंडल के द्वारा बलिराम कश्यप वार्ड के शिव मंदिर प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मजयंती मनाई गई हम उस महामानव को नमन करते हैं जिन्होंने विश्व को एकात्म मानववाद का संदेश दिया।पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति को समाजसेवा का माध्यम बनाया और गरीब, वंचित, शोषित वर्ग के कल्याण को जीवन का ध्येय माना।उनका सरल जीवन,उच्च विचार और संगठन के प्रति समर्पण आज भी हम सबके लिए प्रेरणा है कार्यक्रम में पंडित के फोटो पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर उनकी जयंती मनाई गई इस कार्यक्रम में पूर्व महापौर श्रीमति सफ़िरा साहू जी एवं वार्ड सेविका (पार्षद)श्रीमति गिरजा गुप्ता जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं साथ में कार्यकारिणी सदस्य एवं बूथ अध्यक्ष श्रीमति पुष्पा तिवारी बूथ अध्यक्ष श्रीमति प्रियंजलि दास जी ,दयमंती जी,बूथ सचिव माला दास,गीता सिंह जी युवा मोर्चा से जागेश्वर गुप्ता जी साथ में भाजपा पूर्वी मंडल के मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे कार्यक्रम के अंत में मिठाई वितरण कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील ने जीएसटी पर देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के भाजपा नेताओं पर कसा तंज

जगदलपुर,26 सितंबर। जीएसटी कम होने के बावजूद आम उपभोक्ताओं को राहत क्यों नहीं मिल रही सीमेंट की दर पहले 300 रुपए थी और अब 290 रुपए है ... 28त्न से 18त्न होने के बाद दरें 270 रुपए होनी चाहिए थीं परंतु अब भी 290 रुपए है। भारतीय जनता पार्टी कुल मिलाकर लोगों को लूटने, ठगने और भ्रम में रखने का जो कार्य कर रही है उसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती है बेस दरें बढ़ाकर जीएसटी दरें कम कर दी गई हैं परन्तु लुट बराबर हैं मौर्य ने कहा मतलब भाजपा और साय सरकार के खाते में जो 20 रुपए का जो टैक्स लिया जा रहा है कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है कांग्रेस पार्टी आमजनता से अपील करती है कि भाजपा का जीएसटी उत्सव नहीं चपत योजना चल रहा है।

नदी में बहा निर्माणाधीन रपटा पुल,ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

सूरजपुर,26 सितंबर। भारी बारिश से गोबरी नदी पर बना पुल जर्जर होने के बाद नया रपटा पुल का निर्माण कराया जा रहा था. लेकिन पानी के तेज बहाव में यह पुल बह गया, जिससे अब ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है. गांव के दूसरी ओर आने-जाने के लिए लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है. वहीं जिम्मेदार अधिकारियों के कई निरीक्षणों के बावजूद पुल के बह जाने से ग्रामीणों में मायूसी हजानकारी के मुताबिक, इस बार बरसात की शुरुआत में ही गोबरी नदी पर बना पुल जर्जर हो गया था. ग्रामीणों ने नए पुल की मांग की थी. बताया जा रहा है कि लगभग 10 लाख रुपए की लागत से रपटा पुल बनाने का फैसला लिया गया था. लेकिन स्वीकृति से पहले ही निर्माणधीन पुल बह गया।ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी-1 से 2 महीने पहले ही ग्रामीणों की मांग पर रपटा पुल का निर्माण शुरू हुआ था. रपटा पुल के बह जाने से ग्रामीणों में फिर मायूसी छा गई है. अब उन्हें आने-जाने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है।

जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन

कोण्डागांव, 26 सितम्बर। कलेक्टर श्रीमति नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय कोडागाँव में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत 24 सितंबर से तीन दिवसीय प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 19 से 45 वर्ष की गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जाँच, एनिमिया मलेरिया एनसीडी जॉच, परिवार नियोजन काउंसलिंग की सेवाएं जिला अस्पताल कोडागाँव मे दी जा रही है। अभियान के तहत 25 सितम्बर 2025 तक कुल 130 महिलाओं की एएनसी जॉच कराई जा चुकी है। साथ ही कुल 30 हाई रिस्क महिलाओं का परीक्षण, कुल 50 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी एवं सभी पंजीकृत महिलाओं की काउंसलिंग अभियान के तहत की जा रही है।

एक नजर

शासकीय चिकित्सा कॉलेज की प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में लिए गए अहम फैसले

महासमुंद 26 सितम्बर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद के प्रबंधकारिणी समिति की बैठक संभागायुक्त श्री महादेव कांवरे की अध्यक्षता में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खरोरा महासमुंद के कॉन्फ्रेंस सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, महासमुंद एवं संबद्ध चिकित्सालय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मरीजों एवं छात्र-छात्राओं के छात्रावास से संबंधित कठिनाइयों का समाधान करने महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, अधिष्ठाता शा.चि.महा. महासमुन्द डॉ रेणुका गहिने, संयुक्त संचालक सह-अधीक्षक अस्पताल डॉ बसंत माहेश्वरी, प्राध्यापक फिजियोलॉजी विभाग डॉ. अलख राम वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव, कार्यपालन अभियंता पी.डब्लू.डी श्री सी.एस. चन्द्राकर, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री संजय कुमार चौधरी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद के संबंद्ध चिकित्सालय में बायोप्सी एवं कल्चर जांच आरंभ किया गया है जिसका दर निर्धारण करने हेतु सहमति बनी। साथ ही चिकित्सालय के विभिन्न विभागों में सीसीटीव्ही कैमरा लगाए जाने, मरीजों के सुविधाओं को बढाते हुए बिस्तरों की संख्या, वार्डों में मरीजों के परिजन के बैठने, टेबल आदि व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। आयुष्मान कार्ड के अतंर्गत मरीजों को ईलाज में अधिक से अधिक लाभ मिलने हेतु कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी में वृद्धि, मरीजों के स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था हेतु वॉटर कूलर लगाने, वाटर एटीएम को सुधरवाने पर सहमति देते हुए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्णय लिया। अन्त में स्व. डॉ राकेश परदल, सदस्य प्रबंधकारिणी समिति को विनम्र श्रद्धांजलि प्रदान करते हुए बैठक को समाप्त किया गया।

सीएम उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन 25 अक्टूबर तक

रायगढ़, 26 सितम्बर। कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर द्वारा मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य के प्रतिभावान निम्न आयु वर्ग के विद्यार्थी जो राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यवसायिक संस्थानों जैसे-आई.आई.टी.,एम्स,आई.आई.एम., एन.एल.यू., एम.बी.बी.एस. जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हें तात्कालिक सहायता प्रदान किया जाना है।मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत रायगढ़ जिले के पात्र विद्यार्थी निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाईन आवेदन 25 अक्टूबर 2025 तक सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय, रायगढ़ में जमा कर सकते है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संपर्क कर सकते है।

जिला न्यायालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण रिफ्रेशर ट्रेनिंग आयोजित

रायगढ़, 26 सितम्बर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्रधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री जितेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन एवं न्यायाधीश/सचिव श्रीमती अंकिता मुदलियार के मार्गदर्शन में आज जिला न्यायालय रायगढ़ के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन नालसा के दिशा-निर्देश के आधार पर विशेष रूप से जेल भ्रमण हेतु अधिकृत लीगल एड डिफेंस कौंसिल, प्रतिधारक अधिवक्ता और पैरालीगल वालिंटियर्स के लिए आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी जेलों में निरूद्ध बंदियों को नि‌श्शुल्क विधिक सहायता प्रदान करने एवं उनके अधिकारों की रक्षा हेतु एक प्रजन लीगल एड क्लीनिक की स्थापना किये जाने हेतु हुई है। जिसके परिपालन में 2016 तक सभी राज्यों में प्रिजन लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की गई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार जैन ने जेल भ्रमण को प्राथमिकता देने तथा जेल में बंद बंदियों को समुचित विधिक सहायता प्रदान करने हेतु सभी लीगल एड डिफेंस कौंसिल,प्रतिधारक अधिवक्ता तथा जेल पैरालीगल वालिंटियर को दिशा-निर्देश दिए।

जिले में पोषण जन-जागरूकता अभियान शुरू

जगदलपुर, 26 सितम्बर । छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सितंबर 2025 में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पोषण माह के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना जारी की है। इस महीने भर चलने वाले अभियान का उद्देश्य पूरे जिले में कुपोषण को खत्म करना और लोगों को सही पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस वर्ष का पोषण माह कई प्रमुख गतिविधियों पर केंद्रित है, जिनमें से एक ''पोषण भी, पढ़ाई भी'' है। इसके तहत, आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के बीच स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके साथ ही, बच्चों को पोषण के महत्व के बारे में सिखाने के लिए कविता, कहानी और खेल जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं। मास स्ट्रीमिंग के माध्यम से बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता फैलाने के लिए पोषण से संबंधित छोटे वीडियो और संदेशों को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से महापल्ली के गुरुशंकर भोय बने आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायगढ़, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने रायगढ़ जिले के ग्राम महापल्ली निवासी श्री गुरुशंकर भोय के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव ला दिया है। कभी हर महीने बिजली बिल चुकाना उनके लिए चिंता का विषय था, लेकिन अब वही बिजली बिल बचत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। मई में जब उनके घर पर सोलर सिस्टम नहीं लगा था, तब 471 यूनिट की खपत पर 1,570 रुपए का बिल आया था। सीमित आय वाले परिवार के लिए यह राशि एक बड़ा बोझ थी। लेकिन जून में जब उन्होंने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया, तो हालात पूरी तरह बदल गए। एक महीने में

सोलर सिस्टम ने 146 यूनिट बिजली का उत्पादन किया। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें 684 रुपए की छूट मिली और उनका बिजली बिल ऋणात्मक होकर माइनस 296 रुपए दर्ज हुआ। यानी अब उन्हें बिल भरना नहीं पड़ा, उल्टा बचत हाथ लगी। अपनी खुशी जाहिर करते हुए श्री भोय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने मेरे घर को सचमुच ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब सूरज की रोशनी से घर रोशन होने के साथ-साथ पैसों की बचत भी हो रही है।

योजना की खास बातें

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपए तक की सब्सिडी का प्रावधान है। सरकार द्वारा 1 किलोवाट क्षमता पर 45,000 रुपए की सब्सिडी, 2 किलोवाट क्षमता पर 90,000 रुपए की सब्सिडी और 3 किलोवाट क्षमता पर 1,08,000 रुपए की सब्सिडी दी जाती है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं के लिए बैंक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। आवेदन की प्रक्रिया बेहद सरल है। पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट अथवा मोर बिजली ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जानकारी एवं शिकायत निवारण के लिए टोल-फ्री नंबर 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। यह योजना न केवल परिवारों को बिजली बिल से राहत और आर्थिक बचत का अवसर दे रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के जरिए पर्यावरण संरक्षण और भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ऐतिहासिक पहल साबित हो रही है।

निर्माण कार्य निर्धारित समय में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करें:कलेक्टर

रायगढ़, 26 सितम्बर। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित अपने चेंबर में विभिन्न निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में चल रहे सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरे हों, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अंतर्गत महतारी सदन, समग्र शिक्षा, पीएमश्री, सामुदायिक भवन और बाउंड्रीवाल जैसे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कई कार्यों में प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बावजूद भी टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत 829 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की

रायगढ़, 26 सितम्बर। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत जिले में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के साथ समन्वित रूप से जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित हुआ। इस बार शिविर की थीम रही %छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी', जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समुचित पोषण, नियमित जांच और सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूक करना रहा।

महानदी में फंसे लोगों को बचाव दल ने मोटरबोट से सुरक्षित निकाला

रायगढ़, 26 सितम्बर। विकासखंड के सिंगपुरी और चंघोरी में कुछ लोगों के महानदी में फंसे होने की सूचना मिली। जिस पर तत्काल राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंची। मोटरबोट की सहायता से डीडीआरएफ के तैराकों ने फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला। दरअसल यह बचाव अभियान जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ आपदा राहत के तहत आयोजित मॉक ड्रिल का हिस्सा था।

पुसौर विकासखंड के तटवर्ती गांव चंघोरी और सिंगपुरी में आज कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में बाढ़ आपदा बचाव कार्य का मॉकड्रिल किया गया। यहां महानदी में बाढ़ आने पर आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल्स के साथ फंसे हुए

लोगों के बचाव का अभ्यास किया गया। चिकित्सीय सहायता के लिए मेडिकल टीम तैनात रखी गई थी। मॉक ड्रिल के दौरान एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, एडिशनल एसपी श्री आकाश मरकाम, ज्वाइंट कलेक्टर श्री राकेश गोलछा एवं जिला सेनानी श्री बी कुजूर उपस्थित रहे।मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ आने पर टापू में फंसे लोगों को मोटर बोट की सहायता से सुरक्षित बाहर निकालने, डूब रहे लोगों को बचाने, इस दौरान किसी प्रकार की मेडिकल इमरजेंसी में प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक प्रक्रियाओं के पालन का अभ्यास निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया गया। मॉक ड्रिल में नगर सेना के जिला आपदा राहत बल ने राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी, विद्युत, खाद्य विभाग सहित अन्य प्रशासनिक अमलों के साथ मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया। इस दौरान मोटर बोट में तैनात तैराक, चिकित्सीय सहायता में लिए डॉक्टर्स और एम्बुलेंस की टीम, सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान और अन्य जरूरी इंतजामों के लिए संबंधित प्रशासनिक टीम मौके पर मौजूद रही।

यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान: जिले के अमृत सरोवरों की सामूहिक सफाई की गई

रायगढ़, 26 सितम्बर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज जिले के 102 अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता ही सेवा स्वच्छोत्सव' थीम के अंतर्गत एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता श्रमदान राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर में सामूहिक स्वच्छता श्रमदान के माध्यम से अमृत सरोवरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत राज्य कार्यालय आयुक्त, महात्मा गांधी नरेगा, श्री तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिले में अभियान का संचालन सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में हुआ। सहायक परियोजना अधिकारी (नरेगा) श्री राजेश शर्मा के

नेतृत्व में सभी अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता कार्य किया गया। इस अवसर पर गांव के सरपंच, सचिव, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक, महिला समूहों के सदस्य और ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एक दिन, एक घंटा, एक साथ की भावना के साथ आयोजित इस राष्ट्रीय अभियान में अमृत सरोवर स्थलों पर सामूहिक श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता कार्य किए गए। प्रतिभागियों ने सरोवर परिसरों की साफ-सफाई, कचरा निस्तारण और पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य किया। ग्रामवासियों ने न केवल सरोवरों को स्वच्छ किया, बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्प भी लिया। इस दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरक संदेश, जैसे स्वच्छता अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं और अमृत सरोवर-स्वच्छता और समृद्धि का आधार, ग्रामवासियों के बीच प्रसारित किए गए।

सहायक परियोजना अधिकारी श्री राजेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। अमृत सरोवर जैसे महत्वपूर्ण जल संसाधनों को स्वच्छ रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है, बल्कि ग्रामीण समुदायों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सामुदायिक एकता को भी मजबूत करता है। जिला प्रशासन ने इस अभियान को निरंतरता प्रदान करने की योजना बनाई है। आगामी दिनों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए और अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

समाचार संक्षेप

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में हो रही गर्भवती माताओं की जांच

धमतरी 26 सितम्बर। शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम 24, 25 एवं 26 सितम्बर को लगातार आयोजित किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एल. कौशिक ने बताया कि अभियान के दौरान जिले की 30 स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनके माध्यम से गर्भवती माताओं की जांच की जा रही है, साथ ही उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की पहचान कर उन्हें निजी सोनोग्राफी संस्थाओं के सहयोग से निःशुल्क सोनोग्राफी जांच उपलब्ध कराई जा रही है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, पोषण संबंधी जानकारी एवं परामर्श भी दिया जा रहा है। जिले में कुल 4 हजार गर्भवती माताओं का पंजीयन है, जिनमें से अब तक 2261 का जांच किया जा चुका है। जांच के दौरान 138 उच्च जोखिम वाली गर्भवतियां चिन्हांकित की गई हैं, जिनमें से 37 का निःशुल्क सोनोग्राफी जांच निजी संस्थाओं के माध्यम से कर लिया गया है।

मछलीपालन कर जिले के किसान बनेंगे आत्मनिर्भर

धमतरी, 26 सितम्बर । जिले के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आज जिला प्रशासन एवं राजनांदगांव स्थित एबीस कंपनी की सहयोगी कंपनी द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टिट्यूट नई दिल्ली के बीच मछलीपालन को प्रोत्साहित करने हेतु द्विपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधियों ने किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी और मछलियों की खरीदी और ट्रेनिंग की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगरेल बांध एवं आसपास के गांवों के मछलीपालकों को मछलीपालन की उन्नत विधियों से जोड़ते हुए विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि धमतरी जिला प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और यहां के किसान मेहनत से खरीफ एवं रबी मौसम में धान उत्पादन करते हैं, जिसके कारण इसे धनहा धमतरी कहा जाता है।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक में कहा कि जिले में फसल चक्र परिवर्तन को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर कम जल मांग वाली फसलों की ओर किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिले की भौगोलिक स्थिति मक्का उत्पादन के लिए अनुकूल है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगरी विकासखंड में 1000 हेक्टेयर, मगरलोड में 500 हेक्टेयर तथा धमतरी में 500 हेक्टेयर रकबे में मक्का फसल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में पीएमएफएमई योजनांतर्गत दाल मिल, तेल मिल, आटा चक्की सहित अन्य यंत्रों के लिए प्रकरण तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि स्थानीय उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। प्रत्येक विकासखंड में 20-20 प्रकरण तैयार करने को कहा गया है। इसके साथ ही दलहन-तिलहन, लघु धान्य फसलें, ऑयल पाम एवं मखाना जैसी नवाचार फसलों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

केयर गार्डन वेलफेयर सोसायटी के सचिव करण निफा से सम्मानित

राजनांदगांव। केयर गार्डन वेलफेयर सोसाइटी राजनांदगांव के प्रदेश सचिव श्री करण कश्यप ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और अपने जन्म स्थान जिला राजनंदगांव का नाम रोशन किया द्य सुप्रसिद्ध अखिल भारतीय संस्था निफा(नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ़ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट) द्वारा उन्हें यूथ अचीवर यूथ चेंजर मेकर अवार्ड से सम्मानित किया गया द्य यह भव्य आयोजन 21 से 24 सितंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में और हरियाणा के करनाल में संपन्न हुआ द्य हर युवा समाजसेवी का यह सपना होता है कि उसका सम्मान भारत मंडपम जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के मंच पर हो यह गौरवमय क्षण अब श्री करण कश्यप जी को प्राप्त हुआ ।

कमिश्नर ने किया शासकीय स्कूलों का निरीक्षण

महासमुंद 26 सितम्बर। रायपुर संभाग के कमिश्नर श्री महादेव कावरे द्वारा आज महासमुंद जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा एवं सेजेस तुमाडबरी नयापारा का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर महासमुंद श्री विनय कुमार लंगेह, सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत नंदनवार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार लहरे, डीएमसी श्री रेखराज शर्मा, बीईओ श्री लीलाधर सिन्हा, बीआरसीसी श्री जागेश्वर सिन्हा, सहित अन्य अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित थे।

कमिश्नर श्री कावरे ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा में प्रत्येक कक्षा में जाकर त्रैमासिक परीक्षा का निरीक्षण किया एवं प्रश्न पत्र देखकर विद्यार्थियों से नक्शा एवं भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे। अटल टिंकरिंग लैब में तीन बालिकाओं की उपलब्धियों की सराहना की तथा चेन्नई गई छात्रा से विज्ञान विषय पर जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने छत्तीसगढ़ी खोयला (खुला) एवं आचार तिवरा भाजी, आम खुला, कोचाई, कटहल, आंवला, नींबू के आचार के बारे में रोचक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों से उनके लक्ष्यों एवं प्रेरणा के बारे में बातचीत की। छात्रा मेघना चन्द्राकर ने एसपी बनने की इच्छा जताई, अन्य छात्रों ने कलेक्टर व डॉक्टर बनने का लक्ष्य बताया। परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पारिजात का पौधा रोपण किया गया।

सेजेस तुमाडबरी नयापारा निरीक्षण के दौरान कक्षा पहली के बच्चों से आत्मीय भाव से मिलते हुए उनसे अंग्रेजी में अपना नाम, माता-पिता का नाम लिखने को कहा। बच्चों ने उत्साह के साथ ग्रीन बोर्ड में नाम लिखे। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए अंग्रेजी में ली गई शपथ की सराहना की। लाइब्रेरी में द्विभाषी पुस्तक पढ़ते बच्चों से संवाद किया। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से म्उबद्द की थ्योरी एवं अग्नाशय का कार्य संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने सही उत्तर दिया।

बाढ़ आपदा से बचाव के लिए किया मॉक ड्रिल

जगदलपुर, 26 सितम्बर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में बाढ़ आपदा से बचाव की आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने के लिए इंद्रावती नदी के महादेव घाट में गुरुवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। नगर सेना विभाग द्वारा जिले एवं संभागीय स्तर पर उपलब्ध समस्त बाढ़ बचाव सामग्रियों का मॉकड्रिल किया गया। मॉकड्रिल में अतिवृष्टि के दौरान इन्द्रावती नदी में ग्रामीणजन लकड़ी या छोटे-छोटे नाव के माध्यम से नदी पार करते समय नाव पलटी हो जाने एवं गांव में पानी भर जाने की स्थिति में किस प्रकार से जिले में उपलब्ध मोटर बोट, स्क्यूबा डायविंग, अण्डरवाटर कैमरा, लाईफ जैकेट, लाईफ ब्याय आस्का लाईट, पेलिकेन लाईट, सर्च लाईट विभिन्न प्रकार के चैन-सा का प्रयोग कर बाढ़-बचाव कार्य का लाइव डेमो (मॉकड्रिल) का आयोजन किया

जिला स्तरीय शिविर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने दिव्यांगों को ट्रायसाइकिल एवं व्हीलचेयर बांटे

रायपुर, 26 सितंबर । दिव्यांगजन शिविर का हुआ आयोजनसेवा पखवाड़ा के तहत दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा अम्बिकापुर के राजमोहिनी देवी भवन में जिला स्तरीय दिव्यांगजन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उन्हें विभिन्न उपयोगी उपकरण ट्रायसायकल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र एवं सेंसर छड़ी वितरित की । इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों से उनका कुशलक्षेम जाना तथा योजनाओं का लाभ लेने प्रोत्साहित किया। उन्होंने दिव्यांगजनों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं के

बारे में पूछा तथा निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। शिविर के दौरान 13 ट्रायसायकल, 14 व्हीलचेयर, 06 श्रवण यंत्र तथा 03 सेंसर छड़ी प्रदान की गई। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि ''दिव्यांगता लोगों के विकास में बाधा नहीं बनेगी, हम आपकी दिव्यांगता को गतिशील बनाने हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सभी दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं''। उन्होंने दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण प्रदान किये जाने हेतु समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत पेंशन राशि नियमित प्राप्त हो, यह सुनिश्चित करें।शिविर में जिले के सभी विकासखंड, नगरीय निकाय से दिव्यांगजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यू.डी.आई.डी. कार्ड बनाए जाने हेतु विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस दौरान 12 दिव्यांगजनों का आधार कार्ड, 04 दिव्यांगजनों का राशन कार्ड, 06 दिव्यांगजनों का आयुष्मान कार्ड तथा 109 दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र/यू.डी.आई.डी. कार्ड हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया।

एशिया कप-फाइनल की प्रैक्टिस करने के लिए उतरेगी टीम इंडिया

सुपर-4 के आखिरी मैच में आज श्रीलंका से मुकाबला, रेस से बाहर है श्रीलंकन टीम

दुबई, 26 सितंबर। टीम इंडिया एशिया कप सुपर-4 राउंड के आखिरी मुकाबले में आज श्रीलंका का सामना करेगी। यह मुकाबला डेड रबर है। यानी इसमें हार-जीत का दोनों टीमों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भारत लगातार दो मैच जीतकर पहले ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका है। वहीं, श्रीलंका लगातार दो मैच हारकर रेस से बाहर हो गया है। रविवार को होने वाले फाइनल में भारत का सामना पाकिस्तान से होगा।

भारत ने जीते हैं 65 प्रतिशत मुकाबले

पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी टीमों की तुलना में श्रीलंका का रिकॉर्ड भारत के खिलाफकुछ बेहतर है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 32 मैच खेले गए हैं।

इनमें भारतीय टीम ने 21 और श्रीलंका ने 9 मैच जीते हैं। 1 मैच टाई रहा है और 1 नो रिजल्ट रहा है। टाई मैच के सुपर ओवर में भारत ने जीत हासिल की थी।

भारत ने पिछले मैच में तोड़ा था श्रीलंका का रिकॉर्ड

बुधवार को बांग्लादेश को हराने के साथ ही भारतीय टीम एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई। इस टूर्नामेंट में भारत के नाम अब 48 जीत हो गई है। पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था। श्रीलंका ने 47 मैचों में जीत हासिल की है।

फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाना है। लिहाजा भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ अपने प्रीमियर फास्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह को आराम दे सकती है। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिल सकता है। इसके अलावा प्लेइंग-11 में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। भारतीय टीम बैटिंग ऑर्डर में भी कुछ फेरबदल कर सकती है। संजू सैमसन को टूर्नामेंट में ज्यादा बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है। उन्हें नंबर-3 या नंबर-4 पर प्रोमोट किया जा सकता है।

क्या टीम करेगी पहले बल्लेबाजी

दुबई की पिच पर टारगेट चेज करना फायदेमंद माना जाता है और पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर बनाना मुश्किल होता है। इसके बावजूद भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस जीतने पर पहले बैटिंग चुन सकती है, ताकि फाइनल से पहले यहां पहले बैटिंग करने की भी पूरी प्रैक्टिस हो जाए।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

श्रीलंकाः पथुम निशांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असालंका (कप्तान), दासुन शनाका, कामिंदू मेंडिस, चमिका करुणारत्ने, वानिंदू हसरंगा, महीश तीक्ष्णा, दुशमंथा चमीरा और नुआन थुसारा।

एक नजर

चेन्नई में होगा पहले बीएफआई कप का आयोजन 1 अक्टूबर से

नई दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ यानी बीएफआई ने उभरते मुक्केबाजों को नेशनल कैंप में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से एक से सात अक्टूबर तक चेन्नई में पहला बीएफआई कप आयोजित करेगा। यह प्रतियोगिता पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 10 वर्गों में आयोजित की जाएगी जिसके गोल्ड और सिल्वर मेडल विजेताओं को एलीट नेशनल कैंप में प्रवेश मिलेगा। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय मुक्केबाजी आगे बढ़ रही है और क्स्नद्ध एथलीट केंद्रित दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है जिसके अच्छे परिणाम पहले से ही दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएफआई कप इसी दिशा में एक और कदम है क्योंकि यह कई युवा मुक्केबाजों को अपनी पहचान बनाने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देगा। आठवीं एलीट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शीर्ष आठ में जगह बनाने वाली राज्य इकाइयां या बोर्ड, रोहतक स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) और मेजबान तमिलनाडु प्रत्येक वर्ग में एक मुक्केबाज को बीएफआई कप में भेज सकते हैं।

अपनी टीम पर भरोसा नहीं, भारतीय टीम के बुरा खेलने की दुआ कर रहे हैं शोएब अख्तर

दुबई, 26 सितंबर। एशिया कप 2025 में फाइनल मुकाबले को लेकर जैसी उम्मीद की गई थी वैसा ही देखने को मिला है, जिसमें भारत और पाकिस्तान टीम का आमना-सामना खिताबी मैच में देखने को मिलेगा। टीम इंडिया का अभी तक इस टूर्नामेंट में जहां अजेय अभियान देखने को मिला है, वहीं पाकिस्तानी टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मैच में पाकिस्तानी टीम की एक समय हार तय दिख रही थी, लेकिन गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन के चलते वह ये मुकाबला 11 रनों से जीतने में कामयाब रहे। फाइनल में पहुंचने के साथ ही पाकिस्तानी टीम के कई पूर्व खिलाड़ियों के बयान भी सामने आने लगे हैं, जिसमें एक नाम शोएब अख्तर का भी शामिल है, जो खिताबी मैच में भारत के खराब खेलने की दुआ कर रहे हैं। पाकिस्तानी टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पीटीवी स्पोर्ट्स पर भारत के खिलाफ होने वाले फाइनल मुकाबले को लेकर कहा कि हमें टीम इंडिया के हौवे को तोड़ना होगा जो उन्होंने अपने आसपास बनाकर रखा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ इस मैच हम जिस मानसिकता के साथ मैदान पर खेलने उतरे उसी को भारत के खिलाफ जारी रखना होगा, क्योंकि इस तरह की सोच से आप उन्हें दबाव में ला सकते हैं। हमें पूरे 20 ओवर्स की गेंदबाजी करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि उन्हें आउट करने की कोशिश करनी होगी। यहां तक की फील्डिंग में भी हमें उन्हें कोई आसान रन नहीं देना चाहिए। पाकिस्तान को भूल जाना चाहिए कि भारत नंबर-1 टीम है क्योंकि हमारे पास गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ के रूप में 2 मैच विनर खिलाड़ी मौजूद हैं। शोएब अख्तर ने अपने बयान में आगे इस टूर्नामेंट में अब तक बेहतरीन बल्लेबाजी करने वाले टीम इंडिया के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा को लेकर कहा कि पाकिस्तानी टीम को उन्हें 2 ओवर्स के अंदर पवेलियन भेजने की कोशिश करनी होगी क्योंकि वह काफी तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिससे मुकाबले का रुख एकतरफा हो जा रहा है।

18 साल से पाकिस्तान को फाइनल नहीं हरा पाया भारत

दुबई, 26 सितंबर। पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 में बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने बुधवार को ही खिताबी मुकाबले के लिए क्वालिफाई कर लिया था। दोनों टीमें अब 28 सितंबर को दुबई में पहली बार एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। ग्रुप और सुपर-4 राउंड में दोनों बार टीम इंडिया ने बाजी मारी थी।

भारत और पाकिस्तान के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट में 13वीं बार किसी टूर्नामेंट या ट्राई सीरीज का फाइनल होगा। इससे पहले हुए 12 मुकाबलों में 8 बार पाकिस्तान और

महज 4 बार भारत को जीत मिली। 2017 के ICC चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में दोनों टीमें आखिरी बार खिताब के लिए भिड़ी थीं, तब भी पाकिस्तान ने ही बाजी मारी थी। भारत को आखिरी जीत 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में मिली थी।

भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार किसी भी टूर्नामेंट का फाइनल 1985 में हुआ था। यह खिताबी मुकाबला वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट का था। इसे भारत ने 8 विकेट से जीता था। इसे मिलाकर दोनों टीमों ने वनडे फॉर्मेट के अलग-अलग टूर्नामेंट में 11 फाइनल खेले, 8 में पाकिस्तान और महज 3 में भारत को जीत मिली।

मौजूदा एशिया कप टी-20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। इस फॉर्मेट में दोनों टीमें दूसरी बार ही एक-दूसरे के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेंगी। इकलौती बार दोनों टीमें 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भिड़ीं थीं। तब एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने 5 रन से खिताबी मुकाबला जीतकर पहले वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी। 10 मार्च 1985 को पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच किसी टूर्नामेंट का फाइनल हुआ। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट का यह फाइनल मेलबर्न के स्ट्ल स्टेडियम में खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान 176 रन ही बना सका। जवाब में भारत से कृष्णमचारी श्रीकांत और रवि शास्त्री ने फिफ्टी लगाकर टीम को 47.1 ओवर में 8 विकेट से जीत दिला दी।

टीम इंडिया ने 412 रनों का टारगेट चेज कर ऑस्ट्रेलिया को दी मात

केएल राहुल ने खेली 176 रनों की पारी

नई दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय ए टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा 2 मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट मैच की सीरीज के दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने 412 रनों के टारगेट का पीछा करने के साथ इस सीरीज को भी 1-0 से अपने नाम कर लिया है। भारतीय-ए टीम की जीत में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका निभाई जिसमें दोनों ही बल्लेबाज शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 2 मैचों की टेस्ट सीरीज को देखते हुए केएल राहुल और साई सुदर्शन का ये प्रदर्शन सीनियर टीम के लिए काफी राहत भरा जरूर रहेगा। ऑस्ट्रेलिया-ए टीम की दूसरी पारी को जब भारतीय-ए टीम ने तीसरे दिन के खेल में 185 रनों के स्कोर पर समेटा था, तो उसके बाद उन्हें चौथी पारी में कुल 412 रनों का टारगेट मिला। टीम इंडिया की तरफ से चेज में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका अदा की जिसमें राहुल जो तीसरे दिन के खेल में रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए थे, वह चौथे दिन के खेल में वापस बल्लेबाजी करने उतरे और अंत तक नाबाद रहने के साथ 176 रनों की मैच विनिंग पारी खेली। राहुल के अलावा साई सुदर्शन के बल्ले से भी शतकीय पारी देखने को मिली जिसमें वह 100 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कप्तान ध्रुव जुरेल ने 56 रनों की पारी

खेली। भारतीय-ए टीम इस मुकाबले में अपनी पहली पारी में 194 रन ही बनाने में कामयाब हो सकी थी, जिससे ऑस्ट्रेलिया-ए टीम जिन्होंने अपनी पहली पारी में 420 रन बनाए थे वह बड़ी बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे थे।

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में भारतीय-ए टीम की तरफ से गेंदबाजी में स्पिनर मानव सुथार ने सबसे ज्यादा 8 विकेट हासिल किए।

व्यापार

ट्रंप के 'टैरिफ बम' से शेयर बाजार में हाहाकार निवेशकों के 3 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

बड़े नामों में भी 2 से 3.5 प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली, 26 सितंबर। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के एक ऐलान ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में भूचाल ला दिया। गुरुवार देर रात फार्मा समेत कई सेक्टरों पर 100त्न तक टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद आज बाजार खुलते ही बिकवाली की सुनामी आ गई। इस फैसले का सबसे बुरा असर उन फार्मा कंपनियों पर पड़ा जिनका बड़ा कारोबार अमेरिका से जुड़ा है, जिसके चलते फार्मा शेयरों में तबाही का मंजर देखने को मिला।

बाजार में चौतरफा गिरावट के कारण निवेशकों को कुछ ही घंटों में करीब 3 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स 412 अंक टूटकर 80,747 पर और निफ्टी 115 अंकों की गिरावट के साथ 24,776 पर कारोबार कर रहा था।

ट्रंप के फैसले की सीधी मार झेल रहे फार्मा सेक्टर में आज सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.80% तक टूट गया। अमेरिका में बड़ा एक्सपोजर रखने वाली दिग्गज दवा कंपनियों के शेयर धराशायी हो गए। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस में 6% की सबसे बड़ी गिरावट आई, वहीं नैटको फार्मा 5%, बायोकॉन 4% और सन फार्मा 3.8% तक लुढ़क गए।

इनके अलावा ल्यूपिन, मैनकाइंड फार्मा, ग्लेनमार्क फार्मा, डिविजलैब और सिप्ला जैसे बड़े नामों में भी 2 से 3.5 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई।

फार्मा के साथ-साथ H-vB वीजा को लेकर चिंताओं के कारण आईटी सेक्टर में भी भारी दबाव देखने को मिला। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.30% टूट गया। इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसे बड़े शेयर भी गिरावट की चपेट में रहे। वहीं, हेल्थकेयर सेक्टर का इंडेक्स भी 1.50% की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

निवेशकों को 3 लाख करोड़ की चपत

बाजार में इस बड़ी गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई है। गुरुवार को बीएसई का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 457 लाख करोड़ रुपये था, जो आज घटकर 454 लाख करोड़ रुपये रह गया। यानी, एक ही झटके में निवेशकों के 3 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई पर कारोबार कर रहे कुल 3,073 शेयरों में से 2,062 शेयर लाल निशान में थे, जो बाजार में फैले डर को दर्शाता है।

अलटो का 10 साल का राज खत्म! जीएसटी 2.0 के बाद ये गाड़ी बनी देश की सबसे सस्ती कार

नई दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर में हाल ही में लागू हुए जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स ने बाजार का समीकरण बदल दिया है। टैक्स में कटौती का सीधा असर गाड़ियों की कीमतों पर पड़ा है, जिसका सबसे बड़ा और चौंकाने वाला नतीजा यह है कि मारुति सुजुकी की ऑल्टो K10 अब देश की सबसे सस्ती कार नहीं रही। यह खिताब अब मारुति की ही मिनी-एसयूवी डिजाइन वाली एस-प्रेसो ने अपने नाम कर लिया है।

जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद छोटी पेट्रोल कारों पर टैक्स 28% से घटकर 18% हो गया है, साथ ही सेस को भी हटा दिया गया है। इस बदलाव के बाद मारुति एस-प्रेसो की शुरुआती कीमत अब महज 3.50 लाख रुपये रह गई है। वहीं, पिछले एक दशक से सबसे सस्ती कार का ताज पहनने वाली ऑल्टो K10 की शुरुआती कीमत अब 3.70 लाख रुपये हो गई है।

इस उलटफेर की एक बड़ी वजह सरकार द्वारा लागू किया गया 6 एयरबैग्स का नया नियम भी है। मारुति ने अपनी ऑल्टो K10 और सेलेरियो को 6 एयरबैग्स के साथ अपडेट कर दिया है, जिससे उनकी लागत बढ़ गई है।

वहीं, एस-प्रेसो फिलहाल 2 एयरबैग्स के साथ ही आ रही है, जिस कारण कंपनी इसकी कीमत को इतना कम रखने में कामयाब रही है।

दिलचस्प बात यह है कि देश की सबसे सस्ती कार अब एक पारंपरिक हैचबैक न होकर एक एसयूवी-स्टाइल डिजाइन वाली गाड़ी है। एस-प्रेसो का ऊंचा स्टांस, बॉक्सी लुक और दमदार रोड प्रेजेंस इसे पहली बार कार खरीदने वालों, खासकर टू-व्हीलर से अपग्रेड करने वाले ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय बनाता है। कम कीमत और आकर्षक डिजाइन के इस कॉम्बिनेशन ने एस-प्रेसो को बजट कार सेगमेंट का नया बादशाह बना दिया है।

ऑक्टेविया आरएस के साथ एक बार फिर मिलेगा ड्राइविंग का रोमांच और परफॉर्मेंस का मजा

नई दिल्ली, 26 सितंबर। कार प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी लीजेंड ऑक्टेविया आरएस को भारत में फिर से पेश किया है। यह कार सिर्फदिखने में ही शानदार नहीं, बल्कि ड्राइविंग, परफॉर्मेंस और स्टाइल में भी बेजोड़ है। भारत में यह लिमिटेड फुल-बिल्ट यूनिट (एफबीयू) के रूप में उपलब्ध होगी। इस कार की प्री-बुकिंग 6 अक्टूबर, 2025 से स्कोडा ऑटो इंडिया की वेबसाइट पर शुरू होगी।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, ÷इस साल की शुरुआत में, हमने वादा किया था कि एक ग्लोबल आइकॉन भारत में वापसी करेगा। आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने ऑक्टेविया आरएस के साथ उस वादे को पूरा किया है। यह बैज एक बेजोड़ विरासत को समेटे हुए है, जिसका जुनून दो दशकों से भी ज्यादा समय से दुनिया भर के जोशीले लोगों में कायम रहा है। भारत में बिल्कुल नई ऑक्टेविया आरएस का यह लॉन्च सिर्फ एक कार की वापसी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जज़्बे की वापसी है। यह एक ऐसा लीजेंड है, जो परफॉर्मेंस, उम्मीदों और ड्राइविंग के सच्चे जज़्बे की निशानी है।

आरएस यानि रैली स्पोर्ट का बैज कई पीढ़ियों से परफॉर्मेंस, सटीक ड्राइविंग और स्पोर्टी इंजीनियरिंग का प्रतीक रहा है। भारत में ऑक्टेविया आरएस पहली बार 2004 में आई थी और तब से कार प्रेमियों का प्यार पाती रही। नई जेनरेशन पहले से ज्यादा शार्प, बोल्ड और एक्सक्लूसिव है।

रिलायंस ने सरकार के साथ किया 40,000 करोड़ रुपए का समझौता

नई दिल्ली, 26 सितंबर। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (RCPL) सरकार के साथ मिलकर देशभर में इंटीग्रेटेड फूड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाने जा रही है। कंपनी ने आज यानी 25 सितंबर को इसके लिए फूड प्रोसेसिंग मिनिस्ट्री के साथ 40,000 करोड़ रुपए का समझौता किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समझौते का मेमोरेंडम ऑफअंडरस्टैंडिंग वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 इवेंट, दिल्ली में साइन किया गया। MoU के तहत RCPL महाराष्ट्र के नागपुर के कटोल और आंध्र प्रदेश के कुरनूल में फूड प्रोडक्ट्स और बेवरेज के प्रोडक्शन के लिए इंटीग्रेटेड फैसिलिटीज बनाने के लिए 1,500 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगस्त में अपनी एनुअल जनरल मीटिंग (त्रस्) में इस इन्वेस्टमेंट प्लान की घोषणा की थी। कंपनी ने तब कहा था कि वह एशिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड फूड पार्क बनाएगी, जिसमें AI-बेस्ड ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और लंबे समय तक काम करने वाले टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा।

रिलायंस AGM 2025 में ईशा ने कहा था, हमारा लॉन्ग टर्म टारगेट है कि हम भारत की सबसे बड़ी FMCG कंपनी बनें और ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाएं। रिलायंस AGM 2025 में ईशा ने कहा था, हमारा लॉन्ग टर्म टारगेट है कि हम भारत की सबसे बड़ी FMCG कंपनी बनें और ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाएं। अगस्त की AGM में रिलायंस इंडस्ट्रीज की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा था कि RCPL कंपनी के ग्रोथ इंजनों में से एक है और इसका लक्ष्य पांच साल में 1 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू हासिल करना है, साथ ही अपनी ग्लोबल मौजूदगी भी बनानी है। FMCG बिजनेस कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य कंज्यूमर कैटेगरी में विस्तार का ब्लूप्रिंट होगा।

RCPL ने टैग्ज फूड्स जैसे कई कंज्यूमर ब्रांड्स खरीदे हैं और कैंपा, इंडिपेंडेंस, एलन, एंजो और रावलगांव जैसे नामों से साबुन से लेकर कोला तक के अपने ब्रांड लॉन्च किए हैं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(2nd Call)

NIT NO: 2385/PWD/Zone-5/2025 RAIPUR **DATED:** 25-09-2025

Online bids are invited for the following works of works up to 13-10-2025at 17:30 hours.

Sl No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract	Remark
1	176609	सरस्वती शिशु मंदिर रोहिणीपुरम में हॉल निर्माण कार्य।	10.00 Lacs	2nd call

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.infrom 26-09-2025 10.30 Hours(IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible(i.e.Registration, G.S.T./ PAN card/ITR/Commercial Ta& current / Current Revenue Soulvency) and interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

**ZONE COMMISSIONER
ZONE-5
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)**

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र, जगदलपुर

:: सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र जगदलपुर द्वारा भाडाक्रय आवास योजनांतर्गत पुराना अघनपुर में स्थित निर्मित भवनों में LIG- 59 जो कि श्रीमती राजलक्ष्मी पिल्ले पति स्व. श्री के.बी पिल्ले को मण्डल द्वारा आबंटित है। उक्त भवन को श्रीमती राजलक्ष्मी पिल्ले पति स्व. श्री के.बी पिल्ले के द्वारा श्री आदित्य पिल्लय पिता- श्री एस. कन्नन पिल्लय को विक्रय करने हेतु विक्रय अनुबंध की छायाप्रति सहित विक्रय अनुमति के संबध में आवेदन प्रस्तुत किया हैं, आवेदन के अनुसार विक्रय अनुमति प्रमाण पत्र दिया जाना प्रस्तावित हैं।

इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था को इस संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित दिनांक पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

**संपदा अधिकारी
छत्तीगढ़ गृह निर्माण मंडल
प्रक्षेत्र-जगदलपुर**

एक नजर

छात्र-छात्राओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

रायपुर, 26 सितम्बर। राष्ट्रीय हिंदू संगठन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष खोकन कुंडू के नेतृत्व में माना कैंप स्थित आई.टी.आई एवं नवोदय विद्यालय में नशा मुक्ति एवं युवा विकसित भारत विषय पर युवा सम्मेलन आयोजित 25 सितम्बर 25 को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे, राजीव रिछारिया, निर्मल रिछारिया, नवोदय विद्यालय की प्राचार्य लक्ष्मी सिंह, पूर्व प्राचार्य सपना चक्रवर्ती, माना आई.टी.आई प्रभारी डोमन लाल साहू, एन.सी.सी शिक्षक प्रकाश राय, एन.सी.सी बटालियन के अन्य शिक्षकगण, गणेश दास, यश पटेल एवं विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष खोकन कुंडू ने कहा कि आज युवा पीढ़ी नशे के कारण बर्बादी की राह पर है। नशे से न केवल आर्थिक स्थिति कमजोर होती है बल्कि मानसिक विकास भी रुक जाता है। बीमारियाँ बढ़ती हैं, समाज में मान-सम्मान घटता है और अधिकांश घटनाओं सड़क दुर्घटना, मारपीट, दुष्कर्म ड्ड के पीछे शराब का नशा जिम्मेदार पाया जाता है। युवा देश का भविष्य हैं, इसलिए हमें नशा छोड़ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे विदेशी वस्तुओं के बजाय देश में निर्मित सामान का उपयोग करें, जिससे मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

शकुंतला फाउंडेशन ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायपुर, 26 सितंबर। शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा सेवा पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत संत गोविंदराम कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय देवेन्द्र नगर रायपुर के सभागार में स्वास्थ्य जांच परीक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें श्री गणेश विनायक आई अस्पताल से नेत्र चिकित्सक व सचिन साहू, मोहसिन , पुलकित, धनेश्वरी,सोनू दंत चिकित्सक डॉ श्रद्धा निर्मलकर , सपना हौम्योपैथी चिकित्सक डॉ अनुश्री पाठक उपस्थित रहे। आयोजनकर्ता शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ से स्मिता सिंह अध्यक्ष, पीयूष जैन अपर्णा चांडक, महाविद्यालय से प्राचार्य डी के वर्मा मनीषा गर्ग रहे । स्वास्थ्य जांच शिविर में 200 से अधिक छात्राओं ने नेत्र जांच दंत जांच, बीपी जांच अपना परीक्षण कराया ।

नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंद माता की भक्तों ने की पूजा-अर्चना

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 26 सितबंर। पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली मां स्कंदमाता की आज माता देवालयों में भक्तों द्वारा पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की जा रही है। जनश्रुति के अनुसार स्कंदमाता की श्रद्धाभाव से भक्ति करने पर मूर्ख भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता के नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बाल रूप में इनकी गोद में विराजित है। स्कंदमाता की चार भुजाएं है। दायी तरफ ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायी तरफ ऊपर वाली भुजा में वरद मुद्रा में है और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। इसलिए इन्हें पदमासना भी कहा जाता है। यह सिंह पर सवार है। शास्त्रों में दी गई मान्यता के अनुसार श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक पूजा अर्चना करने से मां भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण करते हैं। भक्तों को मृत्यु के उपरांत मोक्ष प्राप्त होता है। सूर्य मंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय होजाता है।अतः मन को एकाग्र रखकर पवित्र भाव से इस देवी की आराधना करने वाले भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं होती है। आज पंचमी होने के कारण शहर के महामाया मंदिर, दंतेश्वरी मंदिर, काली मंदिर, शीतला मंदिर, कंकाली मंदिर, बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़, मड़वारानी मंदिर कोरबा, चंद्रहासिनी मैया चंद्रपुर, मावली मैया तरेंगा, पाताल भैरवी मंदिर राजनांदगांव सहित प्रदेश भर के माता देवालयों को सुबह से ही भक्तों का तांता मां की विधिवत पूजा अर्चना के लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी आने पर पूजा पाठ कर रहा है।

माँ दुर्गा के जयकारों से गूंज रहा केन्द्रीय जेल, 802 बंदियों ने रखा व्रत

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 26 सितंबर। नवरात्रि के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल रायपुर का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर हो गया। जेल परिसर में मूर्तिकार बंदियों द्वारा मिट्टी से माँ दुर्गा की तीन भव्य प्रतिमाएं तैयार की गई है। इनमें से एक प्रतिमा महिला प्रकोष्ठ में और दो प्रतिमाएं पुरुष प्रकोष्ठ में स्थापित कर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

माँ दुर्गा की उपासना के लिए रायपुर जेल के 802 बंदियों ने व्रत भी रखा है। इनमें महिला प्रकोष्ठ की 31 बंदियों ने तीन दिन और 49 बंदियों ने नौ दिन का व्रत रखा है। वहीं पुरुष प्रकोष्ठ में 722 बंदियों ने नौ दिन का व्रत संकल्पपूर्वक आरंभ किया है। बंदियों की सुविधा के लिए जेल प्रशासन ने पूजन सामग्री और फ्लाहार की विशेष व्यवस्था की है, जिसमें दूध, केला, फ्ली दाना और गुड़ शामिल हैं।

सामूहिक व्रत और भक्ति से पूरे जेल परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक माहौल का संचार हो रहा है।

पूजा पंडाल को फूलों, रंगोली और दीपों से सजाया गया है। प्रतिदिन माँ दुर्गा की स्तुति में भजन-कीर्तन, दुर्गा सप्तशती का पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की जा रही हैं।

जेल अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बंदियों को मानसिक शांति, आंतरिक शक्ति और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। नवरात्रि का पर्व केन्द्रीय जेल रायपुर में आस्था, अनुशासन और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत संगम बन गया है।

प्रदेश की बदहाल सड़कों पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

रायपुर-बिलासपुर की खस्ताहाल सड़कों का स्वयं लिया संज्ञान

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर 26 सितबंर। प्रदेश की बदहाल सड़कों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है। वहीं वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। रायपुर बिलासपुर जिले में खस्ताहाल सड़कों पर रखरखाव में बरती जा रही लापरवाही को लेकर हाईकोर्ट ने उक्त मामले को स्वतः संज्ञान में लेकर अधिकारियों द्वारा बरती जा रही लापरवाही पर नाराजगी जताई है। मिली जानकारी के अनुसार छग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा डिवीजन बैंच ने मामले की सुनवाई के दौरान लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं नेशनल हाईवे के अधिकारियों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि वे कागजी कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा कि सड़क बनाने में टेक्निकल जांच टेंडर और वर्क आर्डर में काफी समय बर्बाद होता है। ज्ञात हो कि इस मामले में बिलासपुर के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जनहित याचिका दायर कर हाईकोर्ट से राज्यशासन को निर्देश देने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने राज्य शासन ने अपना जवाब पेश किया जिसमें रतनपुर सेंद्री रोड का काम लगभग पूरा हो गया है। रायपुर रोड की सड़क का काम 70 प्रतिशत पूरा हो गया है इसे अगले 15 दिनों में बना लिया जाएगा। अफसरों ने अधूरे सड़क के जल्द पूरे होने की बात कही तो उस पर हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अब तक खस्ताहाल सड़कों को पुनः निर्मित क्यों नहीं किया गया। प्रदेश में सड़कों की स्थिति बेहद जर्जर है। यह स्थिति चिंदाजनक है।

हाईकोर्ट ने अधिकारियों द्वारा बार बार दिये जा रहे शपथपत्रों से उद्देश्य पूरा होने की बात कहीं। जबकि राज्य शासन के अधिकारियों ने पेंड्रीडीह से नेहरू चौक की सड़क राज्य लोक निर्माण विभाग की होने की बात कहते हुए इसे शीघ्र बनाने की जांच के उपरांत लिखित कथन प्रस्तुत किया। वहीं रतनपुर मार्ग की बदहाली पर हाईकोर्ट ने कहा कि पीडब्ल्यूडी सचिव उक्त मामले को लेकर हाईकोर्ट में शपथ पत्र दें। रायपुर बिलासपुर रोड के दोनों तरफ फैल रहे पांवर प्लांटों की उड़ रही राख पर इसे प्रदूषण फैलाने वाला बताते हुए मुख्य सचिव से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने सड़कों के निर्माण में देरी क्यों हो रही है। यह पूछा साथ ही कहा कि तुरकाडीह सेंद्री रानी गांव मन्नाडीह और बेलतरा में पदयात्रियों के लिए ओव्हरब्रिज का निर्माण कब तक होगा। पीडब्ल्यू डी के अधिकारियों ने हाईकोर्ट को बताया कि निर्माण स्थल की संयुक्त जांच हो चुकी है। टैंडर जारी हो गया हे। हाईकोर्ट ने कहा कि बिलासपुर के पेंड्री रोड बाईपास से नेहरू चौक तक सड़क निर्माण का कार्य जल्द पूरा किया जाए।

युक्तियुक्तकरण : कोरकोमा गांव के विद्यार्थियों की पढ़ाई हुई बेहतर

रायपुर, 26 सितंबर। कोरबा जिले के वनांचल ग्राम कोरकोमा के मिडिल स्कूल में आसपास के अनेक गांव के विद्यार्थी इसी उम्मीद से पढ़ाई करने स्कूल आते हैं कि स्कूल में पढ़ लिखकर वे भी हिन्दी सीखेंगे, अंगेजी सीखेंगे, गणित का सवाल हल करना जानेंगे और यहां से आगे पढ़कर हाई स्कूल, हायर सकेण्डरी फ्रि कॉलेज की पढ़ाई करेंगे। बच्चों के साथ ही उनके माता-पिता की उम्मीदों से जुड़े इस स्कूल में आने वाले विद्यार्थियों को किताबें, भोजन तो मुफ्त में मिल जाती है, लेकिन पिछले कई साल से वे भी महसूस करते थे कि उनके स्कूल में अंग्रेजी विषय का शिक्षक नहीं है। दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर पर्याप्त शिक्षक नहीं होने का खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में युक्ति युक्तकरण से अतिशेष शिक्षको की पदस्थापना की गई तो मिडिल स्कूल कोरकोमा में पढ़ाई करने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को भी अपना आगे का भविष्य सुनहरा लगने लगा। कोरबा विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोरकोमा में युक्ति युक्तकरण से विद्यालय में शिक्षिका श्रीमती रामेश्वरी रत्नाकर पदस्थ हुई है। विद्यालय में कुल 319 विद्यार्थी अध्ययनरत है। शिक्षिका श्रीमती रामेश्वरी रत्नाकर ने बताया कि अन्य विद्यालय से आने के बाद वह यहां के विद्यार्थियों के साथ पूरी तरह से घुल मिल गई है। उन्होंने बताया कि वह विद्यालय में अंग्रेजी पढ़ाती है। स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों में भी खुशी है कि उनके स्कूल में मैडम आ गई है और अंग्रेजी जैसी कठिन लगने वाली विषय को पढ़ा रही है। इस विद्यालय में पढ़ने वाले आने वाली कक्षा आठवीं की स्नेहा, राकेश, साहिल कक्षा छठवीं के विद्यार्थी समीर, सुनील, गुँजन ने बताया कि अंग्रेजी पढ़ाने वाली मैडम स्कूल में आ गई है, वह हमें अच्छे से पढ़ाती है और हमें जो समझ नहीं आता उसे भी ठीक से बताती है।

जल संचय जनभागीदारी अभियान में महासमुंद प्रथम

मुख्यमंत्री ने दी बधाई कहा - जनसहभागिता से ही जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जा सकता है

रायपुर, 26 सितम्बर। जल संरक्षण की दिशा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए महासमुंद जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल संचय जनभागीदारी अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले को जोन-2 की कैटेगरी-2 में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर भारत सरकार द्वारा महासमुंद जिला प्रशासन को एक करोड़ रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस सफलता पर महासमुंद जिले के नागरिकों, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ''जल जीवन का आधार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी हम जल संरक्षण को जनसहभागिता आधारित आंदोलन बना रहे हैं। महासमुंद ने सामुदायिक भावना और नवाचार के माध्यम से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जनता जब आगे बढ़कर सहभागिता करती है, तो लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे पाना संभव है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गांव-गांव में 'मोर गांव-मोर पानी' जैसी जनहितकारी योजनाओं को और मजबूती से लागू करेगी।

महासमुंद जिले में इस अभियान ने जनआंदोलन का रूप ले लिया है। ÷मोर गांव-मोर पानी÷ अभियान के तहत सोखता गड्ढा, रूफ्टॉप हार्वेस्टिंग, इंटेकवेल रिचार्ज और अन्य तकनीक अपनाकर वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को गति दी जा रही है। जिले में जनसहभागिता से 35,182 जल संरचनाएँ, 5,000 सोखता गड्ढे , 125 इंजेक्शन वेल, 1,839 सोखपीट और 25 बोरवेल रिचार्ज तैयार किए गए हैं, एवं 785 जल संरक्षण कार्य विभिन्न जनपद पंचायतों में पूरे किए गए। इनसे वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण और भूजल पुनर्भरण संभव हुआ। इस अभियान से जिले के सभी पांच जनपद पंचायत महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना और सरायपाली में वर्षाजल संचयन की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इससे भूजल स्तर में वृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों को सिंचाई और पेयजल उपलब्धता में दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दिया गया स्वच्छता का संदेश

रायपुर, 26 सितंबर। नगर पालिक निगम चिरमिरी द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 और रजत जयंती वर्ष के अवसर पर दिनांक 25 सितम्बर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर एक दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम चिरमिरी में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। इस विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत राजीव गांधी पार्क मालवीय नगर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पोंडी में सफ़ाई अभियान और श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता मित्रों ने अपने सामूहिक प्रयासों से आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की और शहरवासियों को साफ-सुथरे वातावरण के महत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया और नागरिकों से आह्वान किया कि स्वच्छ भारत अभियान को जन आंदोलन बनाकर हर गली, हर मोहल्ला और हर पार्क को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।

जैन समाज को सौंपी जायेगी आरंग में मिली प्राचीन जैन तीर्थंकर की प्रतिमा

■ मुख्य नगर संवाददाता

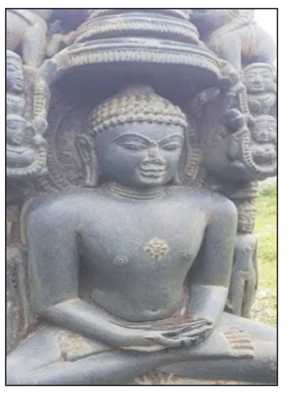

रायपुर, 26 सितंबर। आरंग के अंधियार खोप तालाब से वर्ष 2021 में मिली प्राचीन जैन तीर्थंकर की प्रतिमा को लेकर चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। 24 सितंबर को स्थानीय विश्राम गृह में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रतिमा को जैन समाज को सौंपा जाएगा। बैठक में केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन की मौजूदगी में नगर के व्यापारियों, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने चर्चा की। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रतिमा को जैन समाज को सामाजिक अनुरूप विधिवत पूजा-अर्चना के लिए सौंपा जाए।जैन समाज ने बताया कि उक्त प्रतिमा को रायपुर के शंकर नगर में प्राणप्रतिष्ठा कराई जाएगी।

सितंबर 2021 में आरंग के अंधियार खोप तालाब के गहरीकरण के दौरान यह प्राचीन प्रतिमा मिली थी। फ्लिहाल इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित भांडदेवल मंदिर में सुरक्षित रखा गया है। शुरुआत में तत्कालीन रायपुर कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे ने प्रतिमा को जैन समाज को सौंपने का आदेश जारी किया था। लेकिन स्थानीय संगठनों और निवासियों ने प्रतिमा को आरंग में ही सुरक्षित रखने और संग्रहालय बनाने की मांग उठाई थी। इसी वजह से प्रतिमा अभी तक वहीं सुरक्षित रखी गई थी।

अब बैठक में यह भी तय किया गया है कि आरंग की धरोहरों को संरक्षित रखने और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पूजा-अनुष्ठान करने की शर्तों के साथ प्रतिमा को जैन समाज को सौंपा जाएगा। प्रशासन जल्द ही आवश्यक नियमों व प्रक्रियाओं का पालन करते हुए प्रतिमा को जैन समाज को सौंप देगा।

सेवा पखवाड़ा : राजीव आवास परिसर में चला स्वच्छता अभियान

रायपुर, 26 सितंबर। सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत जवाहर नगर मंडल द्वारा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड क्रमांक 46 स्थित राजीव आवास परिसर (लालगंगा शॉपिंग मॉल के पीछे) में शुक्रवार सुबह स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरू हुआ, जिसमें मंडल पदाधिकारियों, वार्ड सदस्यों और बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासियों ने श्रमदान करते हुए परिसर की साफ-सफाई की। झाड़ू लगाकर, कचरा उठाकर और गंदगी हटाकर लोगों ने साफ-सुथरे वातावरण का संदेश दिया।

स्कूल शिक्षा विभाग की ट्रांसफर और प्रतिनियुक्ति सूची लीक गोपनीयता पर उठे सवाल

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 26 सितम्बर। स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़ी एक संभावित ट्रांसफर और प्रतिनियुक्ति सूची के सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि इस सूची में प्राचार्यों, व्याख्याताओं और शिक्षकों के नाम शामिल हैं, जिसे शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की अनुशंसा के बाद मुख्यमंत्री को स्वीकृति के लिए भेजा गया था। हालांकि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अंतिम मंजूरी अब तक नहीं मिली है, इसलिए इस सूची को आधिकारिक नहीं माना जा रहा है।

बुधवार देर शाम यह सूची अचानक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी। वायरल दस्तावेज़ में शिक्षा मंत्री के हस्ताक्षर और अनुमोदन की बात सामने आ रही है। माना जा रहा है कि सूची शिक्षा मंत्री निवास से मुख्यमंत्री कार्यालय भेजे जाने से पहले ही किसी तरह लीक हो गई। इस घटनाक्रम ने शिक्षा विभाग की आंतरिक गोपनीयता व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि मामला जांच के दायरे में आ सकता है।

रायपुर में 8 और 9 नवंबर को राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियनशिप, युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 26 सितंबर। राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय सुपरक्रॉस और अंतरराष्ट्रीय फ्री स्टाइल मोटोक्रॉस प्रतियोगिता होने जा रही है. यह कार्यक्रम में बूढ़ातालाब स्थित आउटडोर स्टेडियम में 8 और 9 नवंबर को होगा. बीते 25 वर्षो से छत्तीसगढ़ में सक्रिय और FMSCI से एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्था छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन देश के सबसे बड़े मोटरस्पोर्ट्स आयोजनों में से एक की मेजबानी करने जा रही है. इस चैंपियनशिप में देशभर से 100 से अधिक प्रोफेशनल राइडर्स भाग लेंगे. वहीं करीब 20,000 प्रतिदिन दर्शकों की उपस्थिति की संभावना है.

इस वर्ष की थीम – Safe Racing • Safe Riding • Safe Driving तय की गई है. युवाओं को सड़क पर असुरक्षित रेसिंग से रोककर उन्हें सुरक्षित माहौल और प्रोफेशनल ट्रैक पर रेसिंग के लिए प्रेरित करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है. यह प्रशिक्षण सत्र छत्तीसगढ़ के स्थानीय युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने का एक अवसर है. इसका उद्देश्य :- प्रोफेशनल रेसिंग की तकनीकें सीखना, सेफ्टी मेजर्स और रेसिंग एथिक्स समझाना, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतियोगिता के लिए तैयार करना, चयनित प्रतिभागियों को सुपरक्रॉस चैम्पियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा. कार्यक्रम से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए इनसे करें संपर्क- अतुल श्रीवास्तव, सचिव, CGMSA – 98931 40004 उज्वल दीपक, अध्यक्ष, CGMSA – 8720092000

अब सूरज की रोशनी से घर में हो रही बचत

रायपुर, 26 सितबंर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने रायगढ़ जिले के ग्राम महापल्ली निवासी श्री गुरुशंकर के घर को सूरज की रोशनी से रोशन कर दिया है। कभी हर महीने बिजली बिल चुकाना उनके लिए चिंता का विषय था, लेकिन अब वही बिजली बिल बचत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। मई में जब उनके घर पर सोलर सिस्टम नहीं लगा था, तब 471 यूनिट की खपत पर 1,570 रुपए का बिल आया था। सीमित आय वाले परिवार के लिए यह राशि एक बड़ा बोझ थी। लेकिन जून में जब उन्होंने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ टॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया, तो हालात पूरी तरह बदल गए। एक महीने में सोलर सिस्टम ने 146 यूनिट बिजली का उत्पादन किया। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें 684 रुपए की छूट मिली और उनका बिजली बिल ऋणात्मक होकर माइनस 296 रुपए दर्ज हुआ। यानी अब उन्हें बिल भरना नहीं पड़ा, उल्टा बचत हाथ लगी। अपनी खुशी जाहिर करते हुए श्री भोय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने मेरे घर को सचमुच ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब सूरज की रोशनी से घर रोशन होने के साथ-साथ पैसों की बचत भी हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकतम एक लाख आठ हजार रुपए तक की सब्सिडी का प्रावधान है। सरकार द्वारा एक किलोवाट क्षमता पर 45 हजार रुपए की सब्सिडी, दो किलोवाट क्षमता पर 90 हजार रुपए की सब्सिडी और तीन किलोवाट क्षमता पर 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाती है।

स्वत्वाधिकारी कौशल किशोर मिश्र, प्रकाशक-मुद्रक उत्तम कुमार अलकरे की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस, प्रेस टॉवर, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित * संपादक-संजय कुमार दुबे, * प्रबंध संपादक- आशीष कुमार तिवारी, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26